www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

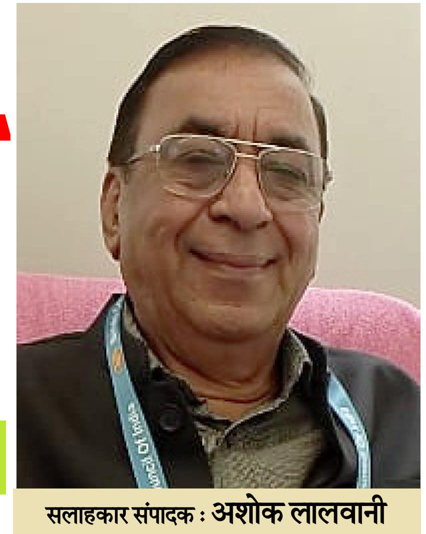

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

कांग्रेस ने प्रकाश जोशी को बनाया प. बंगाल का प्रभारी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपने संगठन में एक और हल्का फेरबदल किया है। गुलाम अहमद मीर को प. बंगाल से हटा कर तमिलनाडु व पुडुचेरी का प्रभार दिया है। वहीं प. बंगाल की जिम्मेदारी प्रकाश जोशी को सौंपी गई है। उत्तराखंड से संबंध रखने वाले प्रकाश जोशी एआईसीसी सेक्रट्री रह चुके हैं। इसके पहले वे एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस में भी पदाधिकारी थे। इस नियुक्ति से यह संकेत निकल रहे हैं कि पार्टी अपने युवा चेहरों को अब बड़ी जिम्मेदारियों में उतार रही है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने महाराष्ट्र में हाल ही में शुरू हुए नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात की मंजूरी दे दी है। इससे दवा की खेप के लिए तय एंट्री पॉइंट्स की संख्या में इजाफा हुआ है। यह जानकारी आधिकारिक बयान में बुधवार को दी गई। ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 43ए में संशोधन करके नवी मुंबई को उन एयरपोर्ट्स की लिस्ट में शामिल किया गया है जहां से दवाएं आयात की जा सकती हैं। यह कदम दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और व्यापार को आसान बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

वेनेजुएला में भूकंप में मरने वालों की संख्या 3,685 हुई

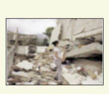

कराकास। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,685 हो गई है, जबकि 16,740 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने आधिकारिक अपडेट में दी। जॉर्ज रोड्रिगेज ने अपने टेलीग्राम चैनल पर जारी जानकारी में बताया कि भूकंप की वजह से अब तक 17,907 लोग बेघर हो चुके हैं। 24 जून को 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आने के बाद से वेनेजुएला में 1,076 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए हैं।

देशभर में बारिश से कई जगहों पर जान माल का नुकसान

पुणे-दिल्ली में इमारत ढहीं, कई लोग दबे

सूरत में बारिश का कई सालों पुराना रिकॉर्ड टूटा, करोड़ों का नुकसान

- दिल्ली-जयपुर हाइवे धंसा, गुरुग्राम में लंबा जाम
- पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हुई

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में मानसून से कहीं आफत तो कहीं राहत देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को भारी बारिश के कारण कचरे का पहाड़ 3 मंजिला इमारत पर गिर गया, जिससे कचरा प्रबंधन की बिल्डिंग ढह गई। हादसे में कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। दिल्ली के रोहिणी में भी एक निर्माणाधीन बिल्डिंग गिर गई। उधर, गुजरात के सूरत में 36 घंटे में 19 इंच तक बारिश हुई, जिससे 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। जुलाई 1941 में 18 इंच बारिश हुई थी सूरत में बाढ़ से शॉपिंग मॉल की एक मंजिल पानी में डूब गई। करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। करंट लगने, पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हुई। भारी बारिश के चलते दिल्ली-जयपुर एनएच -48 धंस गया है, जिसके कारण 10 किमी लंबा जाम लगा गया।

महाराष्ट्र के पुणे में गिरी इमारत

फोटो: एएनआई

दिल्ली के रोहिणी में गिरी इमारत

महाराष्ट्र में अब तक 62 लोगों की मौत

महाराष्ट्र में बारिश से 1 जून से अब तक राज्य में 62 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 200 पशुओं की भी जान गई है। तटीय व पश्चिमी जिलों में अत्यधिक बारिश दर्ज की गई।

अरुणाचल में बाढ़ से हजारों लोग प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड ने 26 जिलों के 94 हजार से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है। 4 लोगों की मौत हुई है।

इस्लाम अपनाने वालों को आरक्षण नहीं देने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। तमिलनाडु सरकार ने धर्म बदलकर इस्लाम अपनाने वालों को पिछड़ा वर्ग मुस्लिम श्रेणी में आरक्षण देने से इनकार करने के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। तमिलनाडु सरकार ने कहा है कि आरक्षण की सुविधा इसलिए दी गई थी ताकि धर्म परिवर्तन के बाद भी सामाजिक रुप से पिछड़े लोगों

को मुख्यधारा में लाया जा सके। दरअसल, मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार के 2024 के उस आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसके तहत एससी या ओबीसी से इस्लाम धर्म में शामिल होने वालों को पिछड़ा वर्ग मुस्लिम माना जाता था। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा था कि केवल धर्म बदलने से कोई भी व्यक्ति अपनी जन्म आधारित सामाजिक श्रेणी के अंदर नहीं आ सकता है। उच्च न्यायालय ने कहा था कि इस्लाम धर्म पूरी तरह से समानता का उपदेश देता है इसलिए इस आधार पर आरक्षण का दावा नहीं किया जा सकता है। मद्रास उच्च न्यायालय के इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

पश्चिम बंगाल में फिर बवाल

ममता की रैली में भिड़े टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ता

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी नेत्री ममता बनर्जी की रैली के दौरान जमकर हंगामा और बवाल हुआ। बालीगंज फाड़ी से हाजरा मोड़ के बीच निकाले जा रहे इस मार्च में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इस हंगामे के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव है। यह हाई-वोल्टेज ड्रामा उस समय शुरू हुआ जब टीएमसी नेता ममता बनर्जी की अगुवाई में पार्टी का जुलूस बालीगंज फाड़ी से हाजरा मोड़ की तरफ बढ़ रहा था। इसी दौरान वहां भाजपा के समर्थक भी पहुंच गए और दोनों राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। पहले दोनों तरफ से तीखी बहस शुरू हुई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की में बदल गई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को धक्का देते हुए 'चोर, चोर' के नारे लगाने शुरू कर दिए।

- बीच सड़क पर लगे 'चोर-चोर' के नारे, हुई धक्की मुक्की

बारुईपुर केस: मुठभेड़ पर सियासत तेज

बारुईपुर दुष्कर्म और हत्या मामले के मुख्य आरोपी प्रभास मंडल की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुद्दे पर आमने-सामने आ गई हैं।

भाजपा का हथियार बन गई है पुलिस : ममता

बारुईपुर में नाबालिग लड़की के दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने हमारी रैली की इजाजत दी थी, लेकिन भाजपा के गुंडों ने उसे रोक दिया। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा के गुंडों ने विरोध मार्च के दौरान हमारे कार्यकर्ताओं की पिटाई की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस भाजपा का हथियार बन गई है।

इंडोनेशिया यात्रा से रक्षा, डिजिटल नवाचार और एआई सहित कई क्षेत्रों में सहयोग के नए द्वार खुले : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी यात्रा ने भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, उभरती प्रौद्योगिकियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल नवाचार और क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली साबित हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया की अपनी राजकीय यात्रा समाप्त होने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वह भारत-इंडोनेशिया साझेदारी के भविष्य को लेकर प्राप्त उपलब्धियों से अत्यंत संतुष्ट हैं। उन्होंने इंडोनेशिया की जनता और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रपति सुबियांतो ने विशेष आत्मीयता और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता दिखाई।

मोदी ने कहा कि इस यात्रा के दौरान रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल नवाचार तथा क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए द्वार खुले हैं, जिससे दोनों देशों के संबंध और अधिक व्यापक तथा भविष्य उन्मुख बनेंगे।

इस बीच, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी प्रधानमंत्री की यात्रा को अत्यंत सफल बताया। उन्होंने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया की राजकीय यात्रा संपन्न कर अपनी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण के लिए मेलबर्न रवाना हो गए हैं। उन्होंने बताया कि विशेष मित्रता के संकेत के रूप में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो स्वयं हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री को विदा करने पहुंचे।

जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा से दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिणाम हासिल हुए हैं। इससे भारत-इंडोनेशिया साझेदारी और अधिक मजबूत आधार पर स्थापित हुई है तथा भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी सहयोग एजेंडा तय हुआ है।

इंडोनेशिया में सबसे बड़े शिव मंदिर में पहुंचे मोदी

प्रधानमंत्री ने प्रम्बानन शिव मंदिर में की पूजा अर्चना

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इंडोनेशिया यात्रा के तीसरे और अंतिम दिन बुधवार को योग्यकार्ता स्थित प्रतिष्ठित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्रम्बानन शिव मंदिर गए और वहां पूजा-अर्चना की। विशेष सद्भावपूर्ण पहल के तहत इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी श्री मोदी के साथ मंदिर परिसर में गए। दोनों नेताओं ने मंदिर परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की

संरक्षण एवं जीर्णोद्धार परियोजना के शुभारंभ के उपलक्ष्य में एक पट्टिका का अनावरण किया। नौवीं शताब्दी में निर्मित प्रम्बानन मंदिर परिसर इंडोनेशिया का सबसे बड़ा मंदिर परिसर है, जो त्रिमूर्ति- भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव को समर्पित है।

मणिपुर में शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

इंफाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह और अन्य गणमान्य लोगों ने बुधवार को उखरुल जिले में घात लगाकर किए गए हमले में शहीद हुए असम राइफल्स के दो जवानों को श्रद्धांजलि दी। वहीं, हमलावरों की तलाश के लिए चलाया जा रहा बड़ा सर्च ऑपरेशन तीसरे दिन भी जारी रहा। सोमवार दोपहर हिंसा प्रभावित उखरुल जिले में इंफाल-दीमापुर नेशनल हाईवे (एनएच-2) पर नुंगशांग कोंग के पास असम राइफल्स के एक वाहन पर हमला किया गया था।

जुलाई में मानसून में सुधार से राहत, कम वर्षा वाले जिलों की संख्या 262 से घटकर हुई 178

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि जून में 33 प्रतिशत कम बारिश के बाद जुलाई में स्थिति में सुधार आया है और अब यह कमी घटकर 24 प्रतिशत रह गई है। हाल के दिनों में देश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई है, जिससे कम वर्षा वाले जिलों की संख्या 262 से घटकर 178 रह गई है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद दिल्ली में मीडिया से चर्चा में कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे राज्यों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि जुलाई में बारिश और रफ्तार पकड़ेगी, जिससे खरीफ बुवाई में तेजी आएगी।

शिवराज सिंह ने बताया कि फिलहाल 350.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हुई है, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 91.95 लाख हेक्टेयर कम है। मानसून में देरी का असर सोयाबीन और कपास पर पड़ा है, लेकिन किसानों को मक्का, बाजरा और मूंग जैसी कम अवधि और कम पानी वाली फसलों की बुवाई की सलाह दी गई है। शिवराज सिंह ने कहा कि सरकार ने इस चुनौती के लिए पहले ही अप्रैल से तैयारी शुरू कर दी थी। आईसीएआर के सहयोग से प्रभावित होने की संभावना वाले जिलों के लिए कंटिंजेंसी प्लान तैयार कर राज्यों के साथ साझा किए गए हैं। जून महीने में चलाए गए खेत बचाओ अभियान के तहत 1.24 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए और 80 लाख से ज्यादा किसानों तक सीधे पहुंच बनाई गई। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए करीब 1.75 लाख क्विंटल का राष्ट्रीय बीज भंडार तैयार रखा गया है, ताकि किसी भी स्थिति में बुवाई प्रभावित न हो। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड अभियान को तेज करते हुए 30 जून तक प्राप्त 1.14 लाख आवेदनों में से 94 हजार से अधिक को स्वीकृति दी जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास जारी हैं, ताकि किसी भी संभावित नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शिवराज सिंह ने बताया कि अल नीनो की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मॉनिटरिंग सिस्टम पूरी तरह सक्रिय है। अल-नीनो मॉनिटरिंग सेल, क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप, राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम और नियुक्त अधिकारी लगातार मानसून, बुवाई, फसल और बाजार की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

इन सबसे स्पष्ट है कि सरकार केवल हालात पर नजर नहीं रख रही, बल्कि मजबूत प्रक्रियाओं, पर्याप्त संसाधनों और समयबद्ध रणनीति के साथ हर चुनौती का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

शोपियां मुठभेड़ में लश्कर कमांडर जाकिर गनी मारा गया

शोपियां, 08 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के चनापोरा इलाके में चल रहे आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर जाकिर गनी मारा गया है जबकि एक और आतंकवादी के छुपे होने की आशंका है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जाकिर पिछले पांच दिनों से अपने साथी के साथ मुठभेड़ में फंसा हुआ था। उन्होंने कहा, उसे मार गिराया गया है और आज हथियारों और गोला-बारूद के साथ एक गौशाला से उसका शव बरामद किया गया। उन्होंने इस घटना को सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ स्थल के पास फिर से गोलीबारी की आवाज सुनी गई, जिससे एक और आतंकवादी की मौजूदगी का संकेत मिलता है। एक्स पर पोस्ट में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा, आप भाग तो सकते हैं, लेकिन छुप नहीं सकते।

अमेरिका-ईरान में संघर्ष फिर शुरू

अमेरिका ने ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों को बनाया निशाना

वॉशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान की ओर से व्यापारिक जहाजों के निशाना बनाए जाने के बाद अमेरिका ने भी ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया कि ये हमले सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों से किए गए। यूएस सेंट्रल कमांड की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया गया, 'यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने 7 जुलाई को ईरान के खिलाफ हमले का एक नया दौर पूरा किया। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हालिया हमलों के जवाब में, सटीक हथियारों से 80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया गया।' ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने दक्षिणी ईरान के प्रांतों पर हुए हमलों के जवाब में बहरीन और कुवैत स्थित 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। हमलों में बहरीन स्थित अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के मुख्यालय और कुवैत के अली अल-सलेम एयर बेस को निशाना बनाने का दावा किया गया।

ईरान ने भी की जवाबी कार्रवाई

तनाव बढ़ाने के लिए अमेरिका जिम्मेदार : ईरान

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को देश के दक्षिणी तटीय क्षेत्र में स्थित निगरानी एवं पर्यवेक्षण केंद्रों पर अमेरिकी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने के परिणामों के लिए अमेरिका जिम्मेदार होगा। विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि बुधवार तड़के अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित कई निगरानी और पर्यवेक्षण केंद्रों पर हमला किया, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का स्पष्ट उल्लंघन है।

कट्टरपंथ को बढ़ावा देने के मामले में एनआईए का देशव्यापी तलाशी अभियान

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को देश में इस्लामी राज्य स्थापित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन आतंकी कट्टरपंथी विचारों को बढ़ावा देने के एक मामले में देशव्यापी तलाशी अभियान चलाया।

जांच एजेंसी के अनुसार एनआईए की टीमों ने समन्वित कार्रवाई में कुल 20 स्थानों पर तलाशी की। यह तलाशी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में की गई। एनआईए ने इस वर्ष मई में विजयवाड़ा पुलिस से मामले की जांच अपने हाथों में ली थी।

एजेंसी का कहना है कि आज की तलाशी में कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। कट्टरपंथी विचारों को बढ़ावा देने की साजिश के बारे में और सुराग पाने के लिए इनकी फोरेंसिक जांच की जाएगी। इस मामले में अब तक 11 आरोपितों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सिक्योरिटी गार्ड से लूटपाट के मामले में चार नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। रोहिणी जिले के बेगमपुर इलाके में सिक्योरिटी गार्ड से लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने चंद ही घंटों बाद 16 से 17 साल के चार नाबालिग को पकड़ लिया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से लूटा गया कैश, मोबाइल फोन, बैग और वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद की है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बुधवार को बताया कि सोमवार शाम बेगमपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-23 के पास बाइक सवार चार लड़कों ने एक सुरक्षा गार्ड के साथ लूटपाट की है। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो वहां पर पीड़ित मिला। उसने बताया कि वह ड्यूटी समाप्त कर लौट रहा था। रास्ते में बाइक सवार चारों ने लड़कों ने उसे रोक लिया। एक युवक ने रॉड मारने की धमकी देकर उससे मोबाइल, बैग और कुछ कैश लूट लिया। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला गया। बाद में पुलिस ने चारों लड़कों की पहचान कर उनको दबोच लिया। इनके पास से लूटा गया सामान भी बरामद हो गया। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन लोगों ने और कितनी वारदातों को अंजाम दिया। सभी आरोपित नशे के आदी है। नशे की लत पूरी करने के लिए यह लूटपाट करते थे।

मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने की एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रगति की समीक्षा

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की अहम समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में प्रमुख डिजिटल इनोवेशन परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में विशेष रूप से आईटी ट्रेनिंग लैब और प्रस्तावित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रगति की समीक्षा की गई। आईटी मंत्री ने दोनों प्रोजेक्ट्स के लागू होने की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन्हें तय समय-सीमा की भीतर पूरा करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि विकास भवन-दो में आईटी ट्रेनिंग एआई लैब उद्घाटन के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस लैब की स्थापना सरकारी कर्मचारियों की डिजिटल क्षमताओं को बढ़ाने के मकसद से बनाया गया है, ताकि उन्हें आईटी और ई-गवर्नेंस सिस्टम में की ट्रेनिंग दी जा सके। वर्तमान में कोर्स का कंटेंट और एआई-आधारित लर्निंग एप्लीकेशन अभी तैयार किए जा रहे हैं। प्रस्तावित एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का मकसद एआई-आधारित इनोवेशन को बढ़ावा देना, राजधानी दिल्ली के स्टार्टअप इकोसिस्टम को और ज्यादा मजबूत करना, कुशल एआई वर्कफोर्स तैयार करना और विभागों में बेहतर दक्षता और जन-सेवा डिलीवरी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समाधानों को तेजी से लागू करना है। इस पहल के माध्यम से लगभग 90 से 100 स्टार्टअप्स को सहायता देना, 6000 से 7000 लोगों को प्रशिक्षित करना, 1000 से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करना है।

मानसून से निपटने को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अलर्ट, जलभराव वाले 169 हॉटस्पॉट चिन्हित, हर जगह तैनात रहेगा पुलिस बल

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। राजधानी में लगातार हो रही बारिश और मानसून के दौरान संभावित जलभराव से निपटने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक तैयारी की है। पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर शहर में 169 ऐसे स्थानों की पहचान की गई है, जहां बारिश के दौरान अक्सर जलभराव और ट्रैफिक जाम की समस्या सामने आती है। इन सभी स्थानों पर विशेष निगरानी के साथ पर्याप्त संख्या में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मानसून शुरू होने से पहले ही विभाग ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली थी। जलभराव की स्थिति बनने पर ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखना और लोगों को कम से कम परेशानी हो, यही प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस का नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग समेत सभी संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बना हुआ है। जहां-जहां जलभराव की आशंका रहती है, वहां एजेंसियों के सहयोग से स्थायी या अस्थायी पंप लगाए गए हैं। जरूरत पड़ने पर पंप भी तुरंत मौके पर भेजे जाएंगे ताकि सड़क से पानी जल्द निकाला जा सके। दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि सभी ट्रैफिक इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जलभराव की सूचना मिलते ही संबंधित एजेंसी से तत्काल संपर्क कर समस्या का समाधान कराया जाए। वरिष्ठ अधिकारी लगातार फील्ड की निगरानी कर रहे हैं और सभी पुलिसकर्मियों की लोकेशन एवं रिस्पॉन्स टाइम पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि किसी सड़क पर अधिक जलभराव होता है तो वहां तत्काल ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। इसकी जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक तुरंत पहुंचाई जाएगी, ताकि वाहन चालक पहले से वैकल्पिक मार्ग चुन सकें और जाम से बच सकें। वहीं नई दिल्ली क्षेत्र में वीआईपी मूवमेंट को लेकर भी अलग से योजना तैयार की गई है। यदि किसी कारण से यातायात में बदलाव करना पड़ता है तो इसकी सूचना पहले ही सोशल मीडिया के जरिए सार्वजनिक कर दी जाएगी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि पिछले दो दिनों की बारिश के दौरान राजधानी में कहीं भी बड़े स्तर पर जलभराव की समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, कुछ स्थानों पर ट्रैफिक की रफ्तार जरूर धीमी रही। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले दिनों में भी दिल्ली ट्रैफिक पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ सड़क पर मौजूद रहेगी और मानसून के दौरान लोगों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास करेगी।

गृह मंत्री अमित शाह से महापौर ने की मुलाकात, तीनों लैंडफिल साइटों पर चल रहे कार्यों की रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने बुधवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर दिल्ली में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा दिल्ली की तीनों लैंडफिल साइटों पर चल रहे बायोमाइनिंग एवं वेस्ट प्रोसेसिंग कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर महापौर ने तीनों लैंडफिल साइटों की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट गृह मंत्री को सौंपते हुए परियोजनाओं के विभिन्न आयामों से अवगत कराया।

बैठक के दौरान दिल्ली के समग्र विकास, स्वच्छ एवं हरित राजधानी के निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा जनकल्याण से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। महापौर ने कहा कि केंद्र सरकार के मार्गदर्शन एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सहयोग से दिल्ली नगर निगम राजधानी को लैंडफिल मुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।

महापौर प्रवेश वाही ने केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया कि ओखला लैंडफिल साइट पर बायोमाइनिंग एवं वेस्ट प्रोसेसिंग के माध्यम से कुल 62 एकड़ भूमि में से लगभग 30 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस स्थल पर अब तक लगभग 80 लाख मीट्रिक टन लैगेसी वेस्ट का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है, जबकि लगभग 15 लाख मीट्रिक टन फ्रेश वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण का कार्य तीव्र गति से जारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार ओखला लैंडफिल साइट को दिसंबर तक पूर्णतः समाप्त कर दिया जाएगा।

महापौर ने आगे बताया कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। यहां कुल 70 एकड़ भूमि में से लगभग 25 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त किया जा चुका है तथा इस लैंडफिल साइट को भी दिसंबर तक पूर्णतः समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि लैंडफिल से मुक्त होने वाली भूमि का उपयोग विभिन्न जनहित एवं विकासात्मक परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए किया जाएगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और राजधानी के शहरी विकास को नई गति प्राप्त होगी।

महापौर ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को अवगत कराया कि गाजीपुर लैंडफिल साइट पर इनर्ट (मिट्टी) के निपटान में कुछ तकनीकी एवं परिचालन संबंधी व्यवधान उत्पन्न हुए थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल लाल खट्टर के निदेशों के उपरांत एनटीपीसी द्वारा 40 लाख मीट्रिक टन इनर्ट (मिट्टी) उठाए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इससे गाजीपुर लैंडफिल साइट पर बायोमाइनिंग एवं वेस्ट प्रोसेसिंग कार्यों में उल्लेखनीय गति आई है तथा इस स्थल को दिसंबर 2027 तक पूर्णतः समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप कार्य करते हुए राजधानी को स्वच्छ, हरित एवं लैंडफिल मुक्त बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन से दिल्ली शीघ्र ही स्वच्छता एवं सतत शहरी विकास के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को उनके द्वारा दिए गए अमूल्य समय प्रदान करने के लिये आभार व्यक्त किया।

बारिश में जलभराव को रोकने के दावे गलत साबित हुए : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार का मानसून के दौरान जल-भराव को रोकने के लिए पूरी तैयारी करने के दावे पहली बारिश में गलत साबित हुए हैं। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में मंगलवार और बुधवार को बारिश के बाद कई सड़कें डूब गईं,

जिनमें वे 'हॉट स्पॉट' भी शामिल थे जिनकी पहचान दिल्ली सरकार ने जल-भराव रोकने के लिए की थी। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार ने ट्रैफिक पुलिस और लगातार बारिश के डेटा के आधार पर 445 जल-जमाव वाले हॉट स्पॉट की मैपिंग का दावा किया था, जिसमें 169 बहुत संवेदनशील जगहें और गंभीर जल-भराव वाली महत्वपूर्ण जगहें (जैसे मिंटो ब्रिज, जखीरा, द्वारका, पुल प्रहलाद पुर और सरिता विहार) शामिल थीं। पिछले 24 घंटों में इस स्थानो जलभराव हुआ। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग पानी से भरी सड़कों और गलियों में गंदे नाले के पानी के वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल-भराव के कारण लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल पाए और बच्चे स्कूल जाने और वापस आने के लिए गंदे नाले के पानी से होकर गुजरते दिखाई दिए।

दिल्ली में चार वर्षों में 32 हजार ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए मजबूत और विश्वसनीय चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने के लिए अगले चार वर्षों में 32 हजार ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने का लक्ष्य रखा है। ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो की पार्किंग, नगर निगम की पार्किंग, मेट्रो के एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे उपलब्ध खाली स्थान, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) बाजार के आसपास, प्रमुख मॉल, रेलवे स्टेशनों के बाहर, सरकारी परिसरों और बड़े व्यावसायिक क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में नई ईवी नीति को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में स्पष्ट किया कि अगले चार वर्षों में दिल्ली में मौजूदा लगभग 9 हजार ईवी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाकर करीब 32 हजार करने के लक्ष्य पर गंभीरता से जुटी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए बिजली आपूर्ति, उपयुक्त स्थानों की उपलब्धता और विभिन्न एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। बैठक में परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजधानी में आधुनिक, तेज और सर्वसुलभ ईवी चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने की व्यावहारिक रणनीति पर रहा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से चार्जिंग स्टेशनों के लिए आवश्यक बिजली आपूर्ति, भविष्य में बढ़ने वाली मांग और उसके अनुरूप विद्युत अवसंरचना की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि चार्जिंग स्टेशनों का विस्तार केवल स्थान चुनने करने तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इनके निर्बाध संचालन के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सोलर आधारित चार्जिंग स्टेशनों के विकास पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि इससे ऊर्जा के स्वच्छ एवं टिकाऊ विकल्प को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को वास्तविक अर्थों में ईवी सिटी बनाने के लिए ऐसे आधुनिक चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जाएं, जहां बैठने की व्यवस्था, पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों और अधिकांश स्टेशनों पर हर प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज किए जा सकें।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में फास्ट चार्जिंग तकनीक को प्राथमिकता दी जाए तथा वर्तमान में संचालित सभी स्लो चार्जिंग स्टेशनों को चरणबद्ध तरीके से फास्ट चार्जिंग स्टेशनों में परिवर्तित किया जाए। बैठक में चार्जिंग स्टेशनों के लिए उपयुक्त स्थानों की उपलब्धता पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली मेट्रो की पार्किंग, नगर निगम के पार्किंग स्थल, मेट्रो के एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे उपलब्ध खाली स्थान, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) बाजारों के आसपास, प्रमुख मॉल, रेलवे स्टेशनों के बाहर, सरकारी परिसरों और बड़े व्यावसायिक क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की संभावनाओं पर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतने बड़े स्तर पर चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार के लिए विभिन्न एजेंसियों का सक्रिय सहयोग लिया जा रहा है। इस दिशा में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) और ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इन संस्थाओं के पास उपलब्ध भूमि, पार्किंग और अन्य अवसंरचना का बेहतर उपयोग करते हुए चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की प्रक्रिया को गति दी जाएगी। बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ शीघ्र समन्वय स्थापित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर कार्य शुरू कर दिया जाए ताकि दिल्ली में ईवी चार्जिंग अवसंरचना का तेजी से विस्तार हो और राजधानी स्वच्छ, आधुनिक एवं टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ा सके।

दिल्ली में जलभराव को लेकर सरकार पर बरसे अंकुश नारंग, कहा निगम में सरकार होने के बावजूद बारिश में डूब रही राजधानी

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के वरिष्ठ नेता और नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने दिल्ली में मानसून की पहली बारिश के बाद कई इलाकों में हुए जलभराव को लेकर दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के दावे जमीन पर पूरी तरह विफल साबित हुए हैं।

अंकुश नारंग ने बुधवार को कहा कि सरकार दावा कर रही थी कि 90 प्रतिशत नालों की सफाई पूरी कर ली गई है, लेकिन कुछ ही मिनटों की बारिश में दिल्ली के विभिन्न इलाकों में जलभराव हो गया। यदि नालों की सफाई हो चुकी थी तो राजधानी की सड़कों और गलियों में पानी क्यों भर गया।

उन्होंने कहा कि इस मानसून में अब तक हुई तीन बारिशों में ही दिल्ली का बुरा हाल हो चुका है। पहली बारिश में लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल जलमग्न हो गया था, जबकि 6 और 7 जुलाई की बारिश के बाद राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। संगम विहार समेत अनेक क्षेत्रों से जलभराव की शिकायतें सामने आई हैं।

नारंग ने कहा कि दिल्ली सरकार और एमसीडी दोनों का नियंत्रण है, इसके बावजूद न तो लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के नालों की सफाई हुई और न ही एमसीडी के नालों की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जनता से जलभराव मुक्त दिल्ली का वादा किया था, लेकिन अब उसके दावे बारिश में बह गए हैं।

आआपा नेता ने कहा कि राजधानी की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दिल्लीवासी को झूठे सपने दिखाए और आज हालात यह हैं कि राजधानी की सड़कों और गलियों में लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ रहा है।

अंकुश नारंग ने एमसीडी के महापौर और निगमयुक्त को पत्र लिखकर पूरे शहर में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि मानसून की पहली ही बारिश में लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल तक जलमग्न हो जाना तथा हाल की बारिश में राजधानी के कई हिस्सों का डूब जाना प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को घरों से निकलते समय सड़क के बजाय जलाशय जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में उन्होंने कहा कि यदि 90 प्रतिशत नालों की सफाई का दावा सही है तो फिर दो दिन की बारिश में दिल्ली में व्यापक जलभराव क्यों हुआ। उन्होंने नालों की सफाई के दावों की स्वतंत्र समीक्षा की मांग की। नारंग ने राजेंद्र नगर में पिछले वर्ष जलभराव और करंट लगने की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों में खुले बिजली तार, क्षतिग्रस्त खंभे और अपर्याप्त निगरानी व्यवस्था किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है।

उन्होंने कहा कि जलभराव केवल असुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। यदि अस्पतालों, बाजारों, मुख्य मार्गों और आवासीय क्षेत्रों में पानी भर रहा है तो यह प्रशासनिक तैयारियों की पोल खोलता है। अंकुश नारंग ने एमसीडी से मांग की है कि जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की तत्काल पहचान कर 24 घंटे के भीतर जल निकासी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही अस्पतालों, स्कूलों, कॉलोनियों और प्रमुख मार्गों के लिए विशेष आपात जल निकासी व्यवस्था की जाए। उन्होंने बिजली विभाग के साथ संयुक्त सुरक्षा निरीक्षण, नालों की सफाई का जोनवार आंकड़ा सार्वजनिक करने, जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा प्रभावित नागरिकों के लिए हेल्पलाइन और राहत व्यवस्था सक्रिय करने की भी मांग की है।

रामलीला की तैयारियों को लेकर डीडीए के उपाध्यक्ष से मिला प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। आगामी रामलीला की तैयारियों को लेकर बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) उपाध्यक्ष एन सरवण कुमार ने बुधवार को दिल्ली धार्मिक महासंघ के पदाधिकारियों एवं दिल्ली की प्रमुख रामलीलाओं के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की।

इस बैठक में आने वाले रामलीला समारोहों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की गई। यह जानकारी डीडीए सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने रामलीला कार्यक्रमों के आयोजन से जुड़े मामलों और इनके सुचारू संचालन के लिए डीडीए से सहयोग मांगा।

इसके बाद डीडीए के उपाध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि शहर भर में रामलीला समारोहों के सफल और बिना किसी परेशानी के आयोजन के लिए डीडीए पूरा सहयोग और सहायता देगा।

उन्होंने दोहराया कि डीडीए अपने अधिकार क्षेत्र में हर जरूरी सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

केजरीवाल ने 29 ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को लिखा पत्र, एक हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को इथेनॉल20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) को लेकर 29 ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि कंपनियां एक सप्ताह के भीतर लिखित जवाब दें कि 2023 से पहले की पेट्रोल गाड़ियों में ई20 का इस्तेमाल सुरक्षित है या नहीं।

अरविंद केजरीवाल ने आज पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि देश के 29 ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को पत्र लिखकर ई20 पेट्रोल को लेकर उनके दावों पर लिखित जवाब मांगा। उन्होंने बताया कि मारुति, टोयोटा और हीरो को अलग पत्र भेजा गया है क्योंकि 4 जुलाई को हुई सरकारी पत्रकार वार्ता में इन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा था कि पुरानी गाड़ियों में ई20 के इस्तेमाल से केवल 3-5 प्रतिशत माइलेज कम होती है और वाहन को कोई नुकसान नहीं

होता। उन्होंने दावा किया कि इन कंपनियों के ओनर मैनुअल में 2023 से पहले के कई मॉडलों के लिए 10 प्रतिशत से अधिक इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई10 से ऊपर) के उपयोग की अनुमति नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि कंपनियों को यह स्पष्ट करना होगा कि उनकी वास्तविक आधिकारिक नीति क्या है। उन्होंने सभी कंपनियों से यह भी पूछा कि यदि ई20 के इस्तेमाल से किसी उपभोक्ता की माइलेज 5-10 प्रतिशत से अधिक घटती है या वाहन के किसी पुर्जे को नुकसान पहुंचता है, तो क्या कंपनियां इसकी भरपाई करेंगी। उन्होंने बताया कि बाकी 26 कंपनियों को भी सामान्य पत्र भेजा गया है, जिसमें ई20 को लेकर उनकी स्थिति, संभावित माइलेज पर असर और वाहन को होने वाले नुकसान के बारे में स्पष्ट जवाब मांगा गया है।

केजरीवाल ने कहा कि वह गुरुवार को पेट्रोल पंप, सर्विस सेंटर और स्थानीय मैकेनिकों से मिलकर आम उपभोक्ताओं का अनुभव जानेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता पर ई20 थोपना चाहती है और इस मुद्दे पर लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज कर रही है।

डीसीपीसीआर के नवनियुक्त अध्यक्ष ओम प्रकाश व्यास ने संभाला कार्यभार

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) के नवनियुक्त अध्यक्ष ओम प्रकाश व्यास ने बुधवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान बच्चों के अधिकारों के संरक्षण, उनकी सुरक्षा और उनके समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने व्यास को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके हितों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार बच्चों की सुरक्षा को लेकर केवल नीतिगत निर्णय ही नहीं ले रही है, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से जमीन पर लागू करने के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

संगम विहार में प्लास्टिक पैकिंग फैक्ट्री धधकी आग, तीन घंटे में पाया काबू

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार स्थित होली चौक इलाके में बुधवार दोपहर एक प्लास्टिक डब्बे की पैकिंग फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग से उठते धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, जिस फैक्ट्री में आग लगी वह अवैध रूप से संचालित गत्ता एवं प्लास्टिक पैकिंग यूनिट बताई जा रही है। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई।

दिल्ली दमकल विभाग को आग लगने की सूचना दोपहर 11:52 बजे मिली। सूचना मिलते ही शुरूआती तौर पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए लगातार अतिरिक्त दमकल वाहनों को बुलाया गया। खबर लिखे जाने तक 15 से अधिक दमकल गाड़ियां आग बुझाने में जुटी थीं।

भविष्यफल

मेष- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

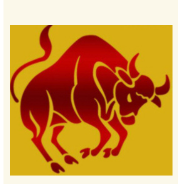

वृष- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क- किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

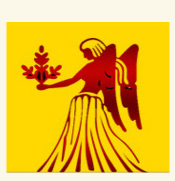

कन्या- संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

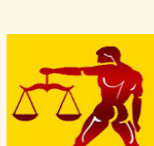

तुला- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक- स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर- व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें, कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

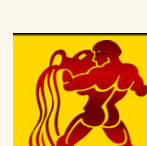

कुम्भ- जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-2-4-6

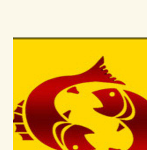

मीन- मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

मुस्लिम होकर भी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति खुद पीएम मोदी को ले गए शिव मंदिर

1,100 साल पुराने प्रम्बानन मंदिर पहुंचे पीएम मोदी, पूजा-अर्चना कर बोले- भव्य

यह दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर है व यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल है

● जकार्ता / (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता स्थित 1100 साल पुराने प्रम्बानन मंदिर पहुंचे। यह दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर है व यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा- राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता से प्रम्बानन मंदिर जाते हुए उन्होंने हेलीकॉप्टर से मंदिर का हवाई नजारा दिखाते हुए वीडियो भी पोस्ट किया और लिखा- भव्य प्रम्बानन मंदिर! ये तस्वीर अपने आपमें बहुत कुछ कहने वाली थी।

दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण और पुनर्स्थापना परियोजना का उद्घाटन किया। इस परियोजना के लिए भारत और इंडोनेशिया के बीच आशय पत्र यानि लेटर ऑफ इंटेंट का आदान-प्रदान पहले ही हो चुका है। पीएम मोदी इस मंदिर में गए और यहां पूजा-अर्चना की. भगवा रंग के कुर्ते में, माथे पर त्रिपुंड लगाए पीएम मोदी और उनके साथ इस्लाम धर्म को मानने वाले प्रबोवो सुबियांतों का साथ दोनों देशों के अटूट सांस्कृतिक संबंधों की गवाही दे रहा था।

प्रम्बानन मंदिर की खासियत- 10वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर मुख्य रूप से भगवान शिव को समर्पित है। परिसर में हिंदू त्रिमूर्ति (शिव, विष्णु और ब्रह्मा) के भव्य मंदिर हैं। इनके साथ उनके वाहनों नंदी और गरुड़ के भी मंदिर हैं। मंदिर की दीवारों पर रामायण के दृश्यों की बारीक नक्काशी की गई है, जो भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती है। पीएम मोदी ने इंडोनेशियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा था कि दोनों देश रामायण-महाभारत की साझा विरासत पर खड़े हैं। इंडोनेशिया आज भले ही मुस्लिम बहुल आबादी वाला देश है, लेकिन पहले यहां हिंदू और बौद्ध धर्म की बहुलता थी।

प्रम्बानन मंदिर परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम

ये प्रयास भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूत कर रहे हैं। प्रम्बानन मंदिर परियोजना भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी की यह यात्रा भारत-इंडोनेशिया की रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने वाली है। दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि पर सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। यह यात्रा दिखाती है कि भारत न केवल आर्थिक और रक्षा सहयोग, बल्कि सदियों पुरानी सभ्यतागत विरासत को भी मजबूत करने पर जोर दे रहा है। प्रम्बानन मंदिर की भव्यता और दोनों नेताओं का संयुक्त दौरा भारत-इंडोनेशिया संबंधों के लिए एक यादगार पल साबित होगा।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर मेलबर्न पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली, आरएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंच गए हैं। उनका यंहा जोरदार स्वागत किया गया।दौरे की शुरुआत पर उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती देगी। पीएम मोदी ने एक्स पर बताया कि मैं ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंच गया हूं। यह दौरा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती देगा। मुझे पीएम अल्बनीज के साथ होने वाली वार्ता का इंतजार है। इस दौरान मुझे भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने का भी मौका मिलेगा, जो भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी की एक अहम ताकत हैं। पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर मेलबर्न की यात्रा कर रहे हैं। इस यात्रा से भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलने की संभावना है। यहां प्रधानमंत्री मोदी अपने समकक्ष अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा, वह ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर जनरल सैम मोस्टिन से भी मुलाकात करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम में भी भाग लेंगे, जहां वह दोनों देशों के शीर्ष बिजनेस लीडर्स की सभा को संबोधित करेंगे।

कनाडा ने माना, निज्जर हत्याकांड में भारत सरकार का हाथ नहीं है

हत्या के मामले में अमेरिका इन पर बेबुनियाद लगा रहा आरोप

● वैंकूवर / (एजेंसी)

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने वाले कनाडा को अब खुद असलियत माननी पड़ी है। कनाडाई पुलिस (आरसीएमपी) ने स्पष्ट कर दिया है कि 2023 में हुई निज्जर की हत्या में भारत सरकार या उसके अफसरों के शामिल होने का कोई भी सबूत नहीं मिला है। यह बड़ा खुलासा तब हुआ है जब अमेरिका के न्याय विभाग ने हाल ही में सार्वजनिक किए गए अपने दस्तावेजों में बताया है कि निज्जर की हत्या के लिए जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई जिम्मेदार था।

भारत के खिलाफ जस्टिन ट्रूडो के आरोप निकले खोखले: कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो ने लगभग तीन साल पहले यह दावा किया था कि सुरक्षा एजेंसियां निज्जर की हत्या और भारतीय एजेंटों के बीच संभावित लिंक के विश्वसनीय आरोपों की जांच कर रही हैं। भारत ने उनके इन दावों को हमेशा बेतुका और प्रेरित बताकर खारिज किया था, लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्तों में भारी तनाव आ गया था।

अब रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की डिप्टी कमिश्नर लिसा मोरलैंड ने कनाडाई टीवी चैनल सीबीसी न्यूज को बताया कि ऑर्गेनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट की इस पूरी जांच और लगाए गए आरोपों में ऐसा कोई सुराग या सबूत सामने नहीं आया है जो यह बता सके कि इस हत्या में भारत सरकार के अधिकारी शामिल थे या उन्हें इसमें आरोपित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच अभी भी जारी है।

ऑपरेशन हार्ड बॉल का बड़ा खुलासा और बिश्नोई गैंग पर कसा शिंकजा

अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा चलाए गए ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत यह साफ हो गया है कि निज्जर की हत्या के पीछे लॉरेंस बिश्नोई का हाथ था। पंजाब का रहने वाला बिश्नोई (33) लंबे समय से भारत की जेल में बंद है। बिश्नोई और उसके गुर्गे-अमेरिकी न्याय विभाग ने लॉरेंस बिश्नोई के अलावा उसके नेटवर्क के उत्तर अमेरिकी लीडर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ (32), यूरोपीय लीडर रोहित गोदारा (37) और सुखराज सिंह कंग (58) को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 24 गिरफ्तारियां-अमेरिका, कनाडा और यूरोप की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने भारत से जुड़े तीन अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट्स के 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 11 कैलिफोर्निया में, 3 कनाडा में, 1 स्पेन में, 1 इंडियाना और 1 जॉर्जिया में पकड़े गए हैं। कुल 37 लोगों पर आरोप तय हुए हैं, जिनमें से 7 पहले से ही हिरासत में थे। पुलिस अभी भी 10 फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। इनमें से 7 अमेरिका में, 2 भारत में और 1 यूरोप में है। इन अपराध सिंडिकेट्स पर टारगेट किलिंग, फिरौती, गोलीबारी और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर भारी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने का आरोप है। जांच एजेंसियों ने इस ऑपरेशन के तहत करीब 1,000 किलो कोकीन, 1 किलो हेरोइन, 40,000 डॉलर नकद और एक दर्जन हथियार जब्त किए हैं। लॉस एंजिल्स और सैक्रामेंटो में दर्जनों सर्च वारंट भी जारी किए गए थे।

भाजपा का प्रशिक्षण अभियान 11 लाख पार, अब लक्ष्य हर बूथ कार्यकर्ता तक : चुग

नई दिल्ली, 08 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत चल रहे डिजिटल प्रशिक्षण अभियान की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बूथ स्तरीय कार्यकताओं के डिजिटल सशक्तिकरण की बड़ी उपलब्धि बताया।

तरुण चुग ने बुधवार को एक बयान में बताया कि देशभर में अब तक 11,01,618 कार्यकर्ता ऐप आधारित डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं, जिस पर 12 भाषाओं में अध्ययन सामग्री, वीडियो, प्रश्नोत्तरी तथा डिजिटल प्रमाणपत्र की सुविधा उपलब्ध है। प्रशिक्षण में भाजपा का परिचय, पार्टी इतिहास, पंच निष्ठा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की शिक्षाएं, मोदी सरकार की योजनाएं, नमो ऐप तथा मन की बात सहित संगठन के प्रमुख कार्यक्रम शामिल थे।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष एवं राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने 6 अप्रैल 2026 को भाजपा स्थापना दिवस पर डीएलपी का शुभारंभ किया था। शिव प्रकाश के नेतृत्व में गठित प्रशिक्षण टोली ने मंडल-जिला ढांचे के साथ मिलकर इसे गति दी। 23 जून (डॉ. मुखर्जी बलिदान दिवस) से 6 जुलाई (जन्मदिवस) तक 10 लाख का लक्ष्य रखा गया था, जिसे पार कर अभियान 11 लाख से अधिक तक पहुंचा। अब इसे बूथ स्तर तक विस्तारित किया जा रहा है।

चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान से मिली प्रेरणा से ही भाजपा ने यह संगठनात्मक डिजिटल प्रशिक्षण अभियान चलाया, जो सुशासन का संदेश अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने इसे लाखों कार्यकताओं, नेतृत्व एवं प्रशिक्षण टोलियों के समर्पण का परिणाम बताते हुए सभी को बधाई दी।

राज्यवार प्रदर्शन में मध्य प्रदेश सर्वाधिक 1,83,113 कार्यकताओं के साथ अग्रणी रहा। त्रिपुरा ने प्रति बूथ प्त20 कार्यकर्ता और 85 प्रतिशत पूर्णता दर हासिल की। अरुणाचल प्रदेश और चंडीगढ़ में प्रति बूथ 5+ भागीदारी रही, जबकि छत्तीसगढ़ (90प्रतिशत), अरुणाचल प्रदेश (89 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (87प्रतिशत), त्रिपुरा (85प्रतिशत), हिमाचल प्रदेश (85प्रतिशत), नागालैंड (83 प्रतिशत) और लद्दाख (83 प्रतिशत) ने 80 प्रतिशत से अधिक पूर्णता दर दर्ज की।

विमान ने नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी थी

पाकिस्तान के लापता कार्गो विमान का मलबा अरब सागर में मिला

● कराची / (हि.स.)

पाकिस्तानी खोजी दलों ने उस मालवाहक विमान के मलबे का पता लगा लिया है जो शारजाह से कराची के लिए उड़ान भरते समय लापता हो गया था। पाक की के2 एयरवेज का 27 साल पुराना बोइंग 737 कार्गो विमान यूएई के शारजाह से उड़ान भरने के बाद लापता हो गया था। लापता हुए इस विमान में चालक दल के पांच सदस्य सवार थे।

पांच क्रू मेंबर्स की तलाश जारी

पाक विमानपत्तन प्राधिकरण ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाक नौसेना और पाक समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने मंगलवार रात लापता घोषित की गई के2 एयरवेज की उड़ान संख्या बी737 के मलबे का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है। इसमें कहा गया है कि मलबा ओरमारा के 53 समुद्री मील दक्षिण से बरामद किया गया और विमान के चालक दल के लापता सदस्यों को खोजने के प्रयास जारी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह से कराची जा रहे निजी विमानन कंपनी के2 एयरवेज के बोइंग मालवाहक विमान ने नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी थी और इसके बाद मंगलवार देर शाम रडार से उसका संपर्क टूट गया था।

विमान 36,550 फीट की ऊंचाई से तेजी से नीचे गिरा

फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार24 के शुरुआती आंकड़ों से संकेत मिल रहा था कि मालवाहक विमान कराची के दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है। फ्लाइटराडार24 के ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, लापता होने से पहले विमान एक मिनट से भी कम समय में करीब 5000 फीट नीचे आ गया। इसके बाद केवल 30 सेकंड में वह लगभग 6000 फीट ऊपर चढ़ गया। लेकिन इसके तुरंत बाद विमान 36,550 फीट की ऊंचाई से तेजी से नीचे गिर गया।

बांग्लादेश के रोहिंग्या कैंप में लैंडस्लाइड, 8 बच्चों की मौत

● ढाका / (एजेंसी)

दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में रोहिंग्या रिफ्यूजी कैंप के मदरसे में बुधवार को भारी मॉनसून बारिश की वजह से लैंडस्लाइड हुई, जिसमें आठ बच्चों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए।

कई दिनों की भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से मदरसा कीचड़ और मलबे में दब गया। रेस्क्यू टीम ने मलबे से 13 बच्चों को निकाला, जिनमें से आठ की मौत हो गई, जबकि बाकी को इलाज के लिए कैंप के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। 12 लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी कॉक्स बाजार में भीड़भाड़ वाले कैंपों में रह रहे हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा शरणार्थी कैम्प है। ये शरणार्थी पड़ोसी बौद्ध-बहुल म्यांमार में 2017 की मिलिट्री कार्रवाई से भागकर आए हैं।

अहमदाबाद मं. ने जून में वाणिज्यिक क्षेत्र में रचा नया रिकॉर्ड

606.43 करोड़ का सर्वाधिक मासिक माल राजस्व, 767 करोड़ रु. का सकल राजस्व

● अहमदाबाद / (एजेंसी)

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने जून-2026 के दौरान डीआरएम वेद प्रकाश के नेतृत्व में वाणिज्यिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए माल राजस्व, पार्सल व्यवसाय, गैर-किराया राजस्व, यात्री सुविधाओं तथा टिकट जांच अभियानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मंडल ने विभिन्न क्षेत्रों में कई नए कीर्तिमान स्थापित किए।

माल राजस्व में जून-2026 में 606.43 करोड़ रुपए का माल राजस्व अर्जित किया गया, जो निर्धारित लक्ष्य से 3.60 फीसदी तथा गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 13.59 फीसदी अधिक है। यह वित्तीय वर्ष 2026-27 का अब तक का सर्वाधिक मासिक माल राजस्व है। वहीं जून-2026 में 6.19 करोड़ रुपए का पार्सल राजस्व अर्जित किया गया, जो गत वर्ष की तुलना में 7.65 फीसदी अधिक है।

पोरबंदर में क्रैश हुआ नौसेना का यूएवी दृष्टि-10

● अहमदाबाद / (एजेंसी)

गुजरात के पोरबंदर में बुधवार दोपहर भारतीय नौसेना का एक यूएवी दृष्टि-.0 ट्रेनिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा पोरबंदर नेवल एयर एन्क्लेव से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

ट्रेनिंग के दौरान हादसा

पोरबंदर के जिला कलेक्टर एस डी धनानी ने बताया कि यूएवी सौराष्ट्र क्षेत्र के तटीय शहर पोरबंदर से करीब 6 किमी दूर धरमपुर गांव के पास एक खुले मैदान में गिरा। नौसेना की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बुधवार की शाम को नौसेना ने भी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल के जरिए हादसे की पुष्टि कर दी है।

आज का इतिहास

- **1816:** अर्जेंटिना ने स्पेन से स्वतंत्रता हासिल की।
- **1819:** सिलाई मशीन के अविष्कारक एलायस हाउ का जन्म।
- **1845:** 1905 से 1910 ई. तक भारत का वाइसराय तथा गवर्नर-जनरल रहे लॉर्ड मिण्टो द्वितीय का जन्म।
- **1875:** बंबई स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना।
- **1900:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता, संसदीय मामलों के मंत्री तथा मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल सत्य नारायण सिन्हा का जन्म।
- **1925:** प्रसिद्ध अभिनेता एवं निर्देशक गुरु दत्त का जन्म।

पलक झपकते ही तबाह होंगे दुश्मन के बंकर

डीआडीओ ने किया पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का सफल टेस्ट, 60 किमी लक्ष्य साधा

● भुवनेश्वर/ (एजेंसी)

देश की सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। डीआरडीओ ने बुधवार को पिनाका एलआरजीआर का सफल उड़ान परीक्षण किया। यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित आईटीआर में किया गया।

रॉकेट ने यूजर द्वारा तय 60 किमी की दूरी पर पूरी तरह से सटीक निशाना लगाया। उड़ान के दौरान रॉकेट ने सभी प्लान किए गए मैन्यूवर पूरे किए और टारगेट पर जाकर धमाका किया। रेंज के सभी उपकरणों ने पूरे समय रॉकेट की उड़ान पर नजर रखी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल टेस्ट पर डीआरडीओ, भारतीय सेना व उद्योग जगत को बधाई दी। उन्होंने इसे स्वदेशी लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट बनाने की क्षमता में बड़ा मील का पत्थर बताया।

उत्तर प्रदेश और गुजरात को प्रदान किया गया एग्रीकल्चर लीडरशिप अवार्ड

नई दिल्ली (एस एन वर्मा/दिव्य भारत)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित एक निजी होटल में आयोजित समारोह में देश के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के साथ 17 वें राष्ट्रीय एग्रीकल्चर लीडरशिप अवार्ड प्रदान किए। दो प्रमुख श्रेणियों के अंतर्गत यह अवार्ड उत्तर प्रदेश और गुजरात को प्रदान किए गए। इन राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए वहां के कृषि मंत्रियों ने यह अवार्ड ग्रहण किए।

राज्यपाल बागडे ने इस दौरान धरती की उर्वरा शक्ति बढ़ाने और स्वास्थ्यप्रद फसलों के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि देश की विशाल आबादी को खाद्यान्न ही प्रदान नहीं करती बल्कि उद्योगों को कच्चा माल प्रदान कर देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का भी बड़ा आधार है। उन्होंने कहा कि आज भी देश की आधी आबादी को आजीविका और रोजगार कृषि ही प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद में कृषि और संबद्ध उद्योग आज भी 18 प्रतिशत से अधिक का योगदान देते हैं।

राज्यपाल ने एम.स्वामीनाथन की चर्चा करते हुए कहा कि देश में जिस में खाद्यान्न संकट था, जब उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया और देश आत्मनिर्भर हुआ परन्तु आज जब देश खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर है, यह जरूरी है कि धरती की उर्वरा शक्ति को बचाने के साथ पोषक फसलों के उत्पादन की ओर किसानों को प्रेरित किया जाए। उन्होंने जैविक खेती की बजाय प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने का आह्वान किया और कहा कि पानी की बचत ही उसका उत्पादन है। उन्होंने कम पानी में अधिक उत्पादन की फसलों और आधुनिक तकनीक से राज्यों को कृषि समृद्ध बनाने का आह्वान किया।

संपादकीय

अमेरिका के ऑपरेशन हॉर्ड बॉल के निहितार्थ

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लॉरेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए हॉर्ड बॉल ऑपरेशन में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर कुछ गैंगस्टरो को राजाश्रय हासिल है। आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया है कि बिश्नोई ने खुद की छवि एक देशभक्त, राष्ट्रवादी और धार्मिक व्यक्ति के रूप में बनाई है। कयास हैं कि इसके जरिये भारत सरकार को घेरने की कोशिश जा रही है। कुछ विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि भारत के ब्रिक्स व रूस-चीन वाले ध्रुव की ओर झुकाव के चलते दबाव बनाने हेतु इस मुद्दे को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर सहमति न बन पाने से अमेरिका क्षुब्ध है। जिसके लिये दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। सर्वविदित है कि दुनिया भर में सत्ताएं बनाने व सरकार गिराने के खेल में अमेरिका किस हद तक जाता है। उसे पूरी दुनिया में सत्ता की शतरंज खेलने में डीप स्टेट के इस्तेमाल का जनक माना जाता है। सवाल है कि भारतीय संसद व मुंबई पर हुए भीषण आतंकवादी हमलों में शामिल पाक आतंकवादियों व मास्टर माइंडों पर क्या ऐसे कार्रवाई हुई है? जबकि कई मास्टरमाइंड अमेरिका में रह रहे थे? क्या ऐसी कार्रवाई पाक सरकार समर्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के खिलाफ हुई, जब पहलगाम की बैसरन घाटी में बेकसूर 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर की गई थी? निस्संदेह, हत्या-फिरौती और नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी गैंग को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ये देश की संप्रभु सरकार का भी प्राथमिक कर्तव्य है। फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई 2015 से भारतीय जेल में है और उसके खिलाफ देश में कई केस चल रहे हैं। वहीं गोल्डी बराड़ देश से फरार है। विसंगति देखिए कि अमेरिकी आरोप पत्र में नाबालिगों की भर्ती, गुर्गों का नेटवर्क चलाने के साथ देशभक्त इमेज के आरोप भी शामिल हैं।

चर्च-नक्सल गठजोड़: क्या विदेशी फंडिंग के सहारे भारत की सामाजिक जड़ों पर हो रहा प्रहार?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत में धर्मांतरण, यह विषय पिछले कुछ वर्षों में सामने आए अनेक प्रकरणों से कहीं अधिक व्यापक हो गया है। इसमें विदेशी फंडिंग, वैचारिक हस्तक्षेप, जनजातीय क्षेत्रों में बढ़ती सक्रियता और नक्सली नेटवर्क से संभावित संबंधों जैसे गंभीर आयाम भी जुड़ गए हैं। बेंगलुरु में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर दर्ज हालिया एफआईआर ने एकबार फिर इस पूरे मुद्दे को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है।

यदि हम भारत का समग्र चिंतन करते हैं तो एक बात तय है कि भारत की पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता, स्थानीय परंपराओं और हजारों वर्षों से विकसित सामाजिक संरचना से बनती है। विशेष रूप से जनजातीय समाज अपनी विशिष्ट आस्था, जीवन शैली और सांस्कृतिक विरासत के कारण भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग है।

ऐसे समाजों में यदि बाहरी वैचारिक हस्तक्षेप योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है तो स्वभाविक है कि उसका प्रभाव धार्मिक परिवर्तन तक सीमित नहीं रहता बल्कि सामाजिक संतुलन और सामुदायिक विश्वास पर भी पड़ता है।

वस्तुतः बेंगलुरु में दर्ज एफआईआर ने इसी चिंता को नए सिरे से सामने रखा है। आरोप है कि अमेरिका स्थित संस्था द टिमोथी इनिशिएटिव (टीटीआई) ने विदेशी धन के माध्यम से भारत में व्यापक नेटवर्क तैयार किया। जांच एजेंसियों के अनुसार लगभग 92 करोड़ रुपये से अधिक की राशि विदेशी डेबिट कार्डों के जरिए देश में लाई गई और उसका उपयोग धार्मिक प्रचार, प्रशिक्षण तथा संवेदनशील क्षेत्रों में वैचारिक प्रभाव बढ़ाने के लिए किया गया।

इस मामले का सबसे चिंताजनक पहलू वह प्रशिक्षण सामग्री है, जिसके बारे में जांच एजेंसियों ने दावा किया है कि उसमें भारतीय धार्मिक परंपराओं और हिंदू देवी-देवताओं को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। यदि किसी समुदाय की आस्था को कमजोर करके उसके स्थान पर नई वैचारिक पहचान स्थापित करने की रणनीति अपनाई जाती है तो यह स्वभाविक तौर पर सामाजिक मनोविज्ञान को प्रभावित करने का प्रयास है।

अब यदि भारतीय संविधान के संदर्भ में इसे समझें तो हमारे लोकतांत्रिक समाज में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार महत्वपूर्ण है किंतु वह दूसरे समुदाय की आस्था को अपमानित करने या योजनाबद्ध ढंग से सामाजिक विभाजन पैदा करने का माध्यम नहीं बन सकता, इसके लिए पूरी तरह से मनाही है बल्कि कहें कि इसे अपराध तक घोषित कर रखा है। इसके बावजूद देखने में बार-बार यही आ रहा है कि चर्च पोषित संस्थाएं कन्वर्जन के खेल में लगी हुई हैं।

उदाहरण स्वरूप आप इन बड़े मामलों को भी देख सकते हैं- भीमा कोरेगांव प्रकरण, फादर स्टेन स्वामी से जुड़े आरोप, झारखंड का पथलगड़ी आंदोलन और ओडिशा में स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती हत्याकांड जैसे मामले वस्तुतः अलग-अलग घटनाएं भले हों किंतु इन सभी ने समय-समय पर यह प्रश्न अवश्य खड़ा किया कि क्या कुछ क्षेत्रों में सामाजिक, धार्मिक और उग्रवादी नेटवर्क किसी स्तर पर एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं, आखिर इसके पीछे क्या कारण हो सकता है?

विदेशी फंडिंग का प्रश्न भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भारत में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) इसी उद्देश्य से बनाया गया कि विदेश से आने वाले धन का उपयोग पारदर्शी और घोषित उद्देश्यों के अनुरूप हो। यदि किसी संस्था द्वारा प्राप्त धन का उपयोग सामाजिक सेवा, शिक्षा या स्वास्थ्य के बजाय वैचारिक ध्रुवीकरण, अवैध धर्मांतरण या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए किया जाता है तो यह स्थिति कानून का उल्लंघन होने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय भी है।

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी आस्था मानने, उसका प्रचार करने और उसका पालन करने का अधिकार देता है। लेकिन यही संविधान सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और कानून के दायरे को भी समान रूप से महत्व देता है। इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और संगठित धर्मांतरण के बीच की सीमा को समझना आवश्यक है।

यदि किसी व्यक्ति का धार्मिक परिवर्तन उसकी स्वतंत्र इच्छा से होता है तो वह संवैधानिक अधिकार है लेकिन यदि उसके पीछे आर्थिक प्रलोभन, सामाजिक दबाव, विदेशी वित्तपोषण या वैचारिक अभियान काम कर रहे हों तो वह निश्चित तौर पर सिर्फ धार्मिक स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं है, यह तो सीधे-सीधे एक देश की संपूर्ण सभ्यता और संस्कृति को ही बदल देना है!

अब इस नजरिए से देखें तो आज बेंगलुरु से शुरू हुई यह नई जांच उस व्यापक बहस का हिस्सा है, जो लंबे समय से भारत में धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग, जनजातीय समाज के धार्मिक, पांथिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्वरूप को पूरी तरह बदलने, वैचारिक नेटवर्क और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संबंधों को लेकर चल रही है।

हालांकि यह भी तय है कि आने वाले समय में न्यायिक प्रक्रिया और जांच एजेंसियों की कार्रवाई इस मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट करेंगी, किंतु इतना जरूर लगता है कि भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े ऐसे प्रश्नों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। इस मामले में अच्छा यही होगा कि जितना शीघ्र हो सके, राष्ट्रीय स्तर पर कन्वर्जन के विरोध में सख्त कानून बने, ताकि भारत में धर्मांतरण रोकने की दिशा में सार्थक परिणाम सामने आएं।

राष्ट्रनिर्माण में छात्रशक्ति : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस पर

चेतस सुखाड़िया

भारत के राष्ट्रीय जीवन में विद्यार्थियों की भूमिका केवल शिक्षा प्राप्त करने तक सीमित नहीं रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक जागरण, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और राष्ट्रनिर्माण तक छात्रशक्ति ने समय-समय पर अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। इसी छात्रशक्ति को संगठित, संस्कारित और राष्ट्रोन्मुख बनाने के उद्देश्य से 9 जुलाई 1949 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की स्थापना हुई। आज 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर यह केवल एक संगठन की वर्षगाँठ नहीं, बल्कि सात दशकों से अधिक समय से चल रहे एक ऐसे छात्र आंदोलन का उत्सव है, जिसने शिक्षा, समाज और राष्ट्र के बीच सशक्त संवाद स्थापित करने का प्रयास किया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के समक्ष केवल राजनीतिक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने की चुनौती नहीं थी, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना के पुनर्निर्माण का दायित्व भी था। ऐसे समय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का ध्येय सामने रखते हुए यह विचार प्रस्तुत किया कि विद्यार्थी केवल भविष्य का नागरिक नहीं, बल्कि आज का सक्रिय नागरिक है। यही विचार आगे चलकर परिषद की कार्यशैली का आधार बना। ज्ञान, शील और एकता का मूल मंत्र परिषद के व्यक्तित्व निर्माण के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है, ज्ञान से बौद्धिक विकास, शील से चरित्र निर्माण और एकता से राष्ट्र के प्रति समर्पण।

पिछले 78 वर्षों में परिषद ने छात्रहित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, समयबद्ध परिणाम, छात्रवृत्ति, छात्रावास, पुस्तकालयों का सुदृढ़ीकरण, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन, रोजगारोन्मुख शिक्षा तथा परिसरों में शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने जैसे विषय परिषद के प्रमुख अभियान रहे हैं। देश के अनेक विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की समस्याओं को लोकतांत्रिक माध्यमों से उठाने और उनके समाधान के लिए संवाद स्थापित करने में परिषद की सक्रिय भूमिका रही है।

अभाविप की पहचान केवल आंदोलनों से नहीं, बल्कि रचनात्मक कार्यों से भी जुड़ी है। संगठन ने समय-समय पर समाज के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता को सेवा कार्यों के माध्यम से सिद्ध किया है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं पुनर्वास, रक्तदान अभियान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान, सामाजिक समरसता, ग्राम विकास, जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा तथा राष्ट्रीय एकता के कार्यक्रम परिषद की व्यापक सामाजिक दृष्टि को प्रतिबिंबित करते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी परिषद के कार्यकर्ताओं ने देशभर में राहत कार्यों में उल्लेखनीय भागीदारी निभाई। अभाविप की कार्यपद्धति का एक विशिष्ट पक्ष उसके विविध आयाम हैं, जिनके माध्यम से संगठन विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करता है। स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी) पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, जैव विविधता, सतत विकास और जनजागरूकता के माध्यम से युवाओं को प्रकृति के प्रति उत्तरदायी बनाता है। वहीं स्टूडेंट्स फॉर सेवा (एसएफएस) समाज के वंचित वर्गों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और सेवा गतिविधियों को पहुँचाकर छात्रशक्ति को सामाजिक दायित्वों से जोड़ने का कार्य करता है। इसी प्रकार खेलो भारत अभियान के माध्यम से परिषद महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करते हुए स्वस्थ, अनुशासित और ऊर्जावान युवा पीढ़ी के निर्माण का प्रयास कर रही है। वहीं राष्ट्रीय कला मंच भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, लोक परंपराओं और सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को मंच प्रदान कर विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव का भाव विकसित करता है।

संगठन का विश्वास है कि महिला सशक्तिकरण के बिना राष्ट्र का समग्र विकास संभव नहीं है। इसी दृष्टि से छात्राओं के नेतृत्व विकास, सुरक्षा, स्वाभिमान, उच्च शिक्षा में समान अवसर तथा व्यक्तित्व निर्माण के लिए परिषद निरंतर कार्य कर रही है। मिशन साहसी जैसे अभियानों के माध्यम से लाखों छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया है। छात्रावासों की सुविधाएँ, परिसर सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य, शिक्षा में समान अवसर तथा नेतृत्व निर्माण जैसे विषयों पर परिषद लगातार रचनात्मक पहल और लोकतांत्रिक संवाद करती रही है। आज एबीवीपी के विभिन्न स्तरों पर बड़ी संख्या में छात्राएँ नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं, जो संगठन की समावेशी कार्यसंस्कृति और महिला नेतृत्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

आज भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। यदि इस युवा शक्ति को सही दिशा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, नवाचार और राष्ट्रीय दृष्टि प्राप्त हो, तो भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को अपेक्षाकृत कम समय में प्राप्त कर सकता है। इस संदर्भ में छात्र संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अभाविप ने युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, संगठन कौशल और राष्ट्रभाव विकसित करने के लिए अनेक प्रशिक्षण, अध्ययन, संवाद और नेतृत्व विकास कार्यक्रम संचालित किए हैं। वर्तमान समय में शिक्षा जगत तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल शिक्षा, स्टार्टअप संस्कृति, अनुसंधान, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे विषय नई पीढ़ी के सामने अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसे समय में केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है। आवश्यक है कि विद्यार्थियों में नैतिकता, संवेदनशीलता, लोकतांत्रिक आचरण और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व भी विकसित हो। यही वह संतुलन है जिसकी आवश्यकता आज के भारत को है।

परिषद ने भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा में शिक्षा, अनुसंधान संस्कृति, नवाचार तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर भी निरंतर विमर्श को आगे बढ़ाया है। साथ ही पूर्वोत्तर भारत, सीमांत क्षेत्रों और जनजातीय अंचलों के विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा एक जन - एक राष्ट्र - एक संस्कृति की भावना को मजबूत करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता को सुदृढ़ करना भी है।

यह भी उल्लेखनीय है कि परिषद ने अनेक ऐसे कार्यकर्ता तैयार किए जिन्होंने आगे चलकर शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, न्यायपालिका, उद्योग, सामाजिक जीवन और सार्वजनिक जीवन के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। इससे स्पष्ट होता है कि छात्र जीवन में प्राप्त संगठनात्मक संस्कार व्यक्ति के दीर्घकालीन व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

78वाँ स्थापना दिवस केवल उपलब्धियों का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति नए संकल्प का अवसर भी है। भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षित, संस्कारित और उत्तरदायी युवा शक्ति सबसे बड़ी पूँजी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के परिसर केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान न बनें, बल्कि चरित्र, नेतृत्व, शोध, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के केंद्र बनें, यह समय की आवश्यकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि छात्र राजनीति केवल चुनावों तक सीमित न रहे, बल्कि शिक्षा सुधार, सामाजिक संवेदनशीलता, पर्यावरण संरक्षण, संवैधानिक मूल्यों, नवाचार और राष्ट्रनिर्माण जैसे विषयों पर भी सक्रिय भूमिका निभाए। जब विद्यार्थी अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी समान रूप से निर्वहन करेगा, तभी शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस पर हम उन सभी ज्ञात-अज्ञात कार्यकताओं को नमन करते हैं जिन्होंने अपने परिश्रम, त्याग और समर्पण से इस संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। अभाविप की यह प्रतिबद्धता है कि राष्ट्रहित, छात्रहित और समाजहित के अपने संकल्प को और अधिक प्रभावी रूप से आगे बढ़ाते हुए विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में छात्रशक्ति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

(लेखक मध्यक्षेत्र संगठन मंत्री - अभाविप हैं)

आस्था की चोट

(डॉ. कीर्ति शर्मा)

मंदिर में चोरी हुई,
किंतु क्या केवल धन गया?
क्या केवल दीप-पात्र, चढ़ावा,
किसी धातु का कोई अंश गया?

नहीं,
वहाँ तो शताब्दियों की प्रतीक्षा पर
एक काली रेखा खिंच गई,
करोड़ों नेत्रों की नमी पर
लोभ की धूल जम गई।

यह राम का धाम है,
पत्थरों का नहीं, प्रणों का,
शिखरों का नहीं,
शताब्दियों से जलते
अविचल विश्वासों का।

यहाँ जन-जन ने
अपना अहंकार उतारा था,
अपना माथा झुकाया था,
अपना दुःख राम के चरणों में रख
मन को हल्का पाया था।
और वहीं,
जहाँ भक्ति ने दीप जलाए,
लोभ ने अँधेरा बो दिया,
जहाँ मर्यादा खड़ी थी शांत,
अधर्म ने अपना हाथ धो दिया।

ताला टूटा,
पर टूटी केवल कुँडी नहीं,
दरार पड़ी
समाज की चेतना में कहीं।
चोरी वस्तु की नहीं,
विश्वास की हुई,
चोट मंदिर को नहीं,
आस्था की हुई।

राम मौन रहे,
पर मौन में भी प्रश्न था,
कहाँ गए वे प्रहरी
जो मनुष्य के भीतर रहते थे?
कहाँ गया वह धर्म,
जो वेश से नहीं,
चरित्र से पहचाना जाता था?
कहाँ गई वह मर्यादा,
जो नाम नहीं,
आचरण में जगमगाती थी?

हे समाज!
अब केवल दीवारें ऊँची मत कर,
केवल ताले भारी मत कर,
मनुष्य के भीतर भी
एक प्रहरी जागृत कर।
क्योंकि मंदिर पत्थर से नहीं बचते,
मंदिर बचते हैं
निर्मल नीयत से,
सत्य से,
संयम से,
जागे हुए अंतरात्मा के तेज से।

जिसके भीतर राम नहीं,
वह दीपों के बीच भी अँधेरा है,
जिसके भीतर राम जाग उठें,
वही सच्चा पहरेदार,
वही मंदिर का सवेरा है।

आस्था की चोट का उपचार
केवल दंड नहीं,
चरित्र का पुनर्जागरण है।
राम मंदिर बाहर भी है,
राम मंदिर भीतर भी,
जो भीतर का मंदिर लूटता है,
वह बाहर के शिखर को
कभी प्रणाम नहीं कर सकता।

अमरनाथ यात्रा का संदेश: जीवन का प्रत्येक क्षण शिवमय बन जाए

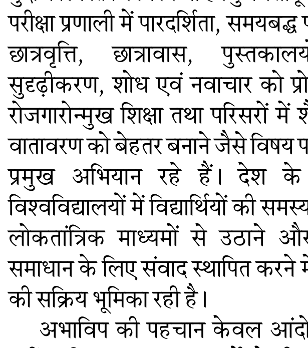

(स्वामी अवधेशानंद गिरि)

शुभं करोति कल्याणं, शिवः सर्वत्र संस्थितः। श्री अमरनाथ धाम केवल एक तीर्थ नहीं अपितु सनातन भारत की तपःपरम्परा, वैराग्य, आत्मशुद्धि और शिवतत्त्व की सजीव अनुभूति का दिव्य केन्द्र है। यहाँ पहुँचने वाला प्रत्येक श्रद्धालु केवल हिमालय की ऊँचाइयों की यात्रा नहीं करता बल्कि अपने ही अंतःकरण की गहराइयों की ओर अग्रसर होता है। कभी-कभी प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण बाबा बर्फानी का हिमलिंग पूर्ण रूप में दिखाई नहीं देता अथवा अंतर्ध्यान हो जाता है। ऐसे समय अनेक श्रद्धालुओं के मन में विषाद उत्पन्न होना स्वाभाविक है। किन्तु क्या शिव केवल हिमलिंग में ही सीमित हैं? क्या अनन्त, अखण्ड, सर्वव्यापक महादेव किसी एक दृश्य रूप के अभाव से अप्रकट हो जाते हैं? भगवत्पाद भाष्यकार भगवान् आदि शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त की दृष्टि में परमात्मा नित्य, निराकार, सर्वव्यापक और अखण्ड चैतन्य है। वही परम शिव कभी हिमलिंग के रूप में दर्शन देते हैं तो कभी हिमालय की निःशब्दता में, कभी गुफा की दिव्य शांति में तो कभी श्रद्धालु के निर्मल हृदय में स्वयं प्रकाशित हो जाते हैं। शिवमहिम्न स्तोत्र में भगवान् शिव की अनन्त महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया हैः असितगिरिसमं स्यात कज्जलं सिन्धुपात्रे, सुरतरुवरशाखा लेखनी पत्रमुर्वी। लिखति यदि गृहीत्वा शारदा सर्वकालं, तदपि तव गुणानामीश पारं न याति॥ (यदि नील पर्वत स्याही बन जाए, समुद्र स्याही पात्र बन जाए, कल्पवृक्ष की शाखा लेखनी बन जाए और सम्पूर्ण पृथ्वी कागज बन जाए तथा स्वयं सरस्वती अनन्तकाल तक लिखती रहें, तब भी हे महादेव! आपके गुणों का पार नहीं पाया जा सकता।)

अतः जो अनन्त है, उसे किसी एक दृश्य रूप तक सीमित नहीं किया जा सकता। हिमलिंग भगवान् की करुणा का एक दिव्य प्रतीक है, परन्तु शिव की सत्ता उससे कहीं अधिक व्यापक, असीम और सनातन है।

अमरनाथ यात्राः त्याग से आत्मबोध तक की कल्याणकारी यात्रा लोकश्रुति के अनुसार, माता पार्वती को अमरत्व का परम रहस्य सुनाने से पूर्व भगवान् शिव ने मार्ग में अपनी समस्त लौकिक विभूतियों (प्रतीकों) और आसक्तियों का क्रमशः परित्याग किया- पहलगाम में नंदी को विराम दिया। चंदनवाड़ी में मस्तक के चंद्र का त्याग किया। शेषनाग में नागों का विसर्जन किया। महागुणस पर्वत पर श्रीगणेश को विराम दिया। पंचतरणी में पंचमहाभूतों के प्रतीकात्मक अतिक्रमण द्वारा समस्त देहाभिमान का अतिक्रमण किया। यह केवल पौराणिक कथा ही नहीं बल्कि प्रत्येक साधक की आन्तरिक साधना का दिव्य संकेत है। जब तक अहंकार, ममता, देहाभिमान और आसक्ति का त्याग नहीं होता तब तक अमरकथा का वास्तविक श्रवण सम्भव नहीं। अतः अमरनाथ की यात्रा पैरों से कम और अंतःकरण से अधिक की जाती है। जब श्रद्धालु भगवान् अमरनाथ की उस पावन गुफा में प्रवेश करता है, तब वह केवल एक गुफा के सम्मुख नहीं अपितु उस दिव्य तपोभूमि में उपस्थित होता है जहाँ स्वयं देवाधिदेव भगवान् मृत्युंजय महादेव ने आत्मा, ब्रह्म, जन्म, मृत्यु, पुनर्जन्म, मोक्ष और अमरत्व का परम रहस्य प्रकट किया था।

शिव का वास्तविक पूजन

भगवत्पाद शंकराचार्य विरचित शिवमानसपूजा हमें बताती है कि भगवान् शिव की सर्वोच्च आराधना बाह्य सामग्री से नहीं बल्कि निर्मल अंतःकरण से होती है- आत्मा त्वं गिरिजा मतिः सहचराः प्राणाः शरीरं गृहं। पूजा ते विषयोपभोगरचना निद्रा समाधिस्थितिः॥ (हे प्रभु! आप ही मेरे आत्मस्वरूप हैं, मेरी बुद्धि ही पार्वती हैं, प्राण आपके गण हैं, यह शरीर आपका मंदिर है; मेरे समस्त कर्म ही आपकी पूजा हैं) अंत में- यद्यत्कर्म करोमि तत्तदखिलं शम्भो तवाराधनम्॥ अर्थात हे शम्भो! मैं जो भी कर्म करता हूँ, वह सब आपकी आराधना ही है। यही अमरनाथ यात्रा का वास्तविक संदेश है- जीवन का प्रत्येक क्षण शिवमय बन जाए। हिमलिंग अंतर्ध्यान हो सकता है, शिव नहीं। यदि हिमलिंग पूर्ण रूप में न भी दिखाई दे तो श्रद्धा में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। जिसने उस दिव्यधाम तक पहुँचने का सौभाग्य पाया, जिसने कठिन मार्ग की तपस्या की, जिसने हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए अपने भीतर के अहंकार को पिघलाया, वास्तव में वही शिवकृपा और उनके असीम अनुग्रह का अधिकारी है।

शिव केवल हिमलिंग में नहीं, वे हिमालय की प्रत्येक शिला में हैं, गुफा की प्रत्येक शीतल श्वास में हैं, यात्रियों के प्रत्येक कदम में हैं, प्रत्येक मंत्र में हैं, प्रत्येक अश्रु में हैं, भक्ति के प्रत्येक भाव में हैं और प्रत्येक हृदय में विराजमान हैं। हिमलिंग के दर्शन महादेव का प्रसाद हैं किन्तु अमरनाथ की यात्रा स्वयं महादेव की कृपा का साक्षात अनुभव है। अतः स्मरण रहे कि हिमलिंग अंतर्ध्यान हो सकता है, शिव कभी नहीं। वे नित्य हैं, शाश्वत हैं, सर्वव्यापक हैं और श्रद्धा से परिपूर्ण प्रत्येक हृदय में सदैव प्रकाशित हैं। *(लेखक, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर हैं।)*

अमेरिका कैसे तैयार करता है खेल चैंपियन और उद्योग

सैयद सुलेमान अख्तर, स्पैन पत्रिका

मुंबई स्थित अमेरिकी कांसुलेट द्वारा भोपाल में आयोजित एक हाइब्रिड सत्र के दौरान 80 से अधिक खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कोचों और खेल प्रशासकों को संबोधित करते हुए ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम की पूर्व प्रतिभागी वैद्य ने बताया कि अमेरिकी खेल प्रणालियाँ खिलाड़ी विकास, विज्ञान, शिक्षा और व्यवसाय को किस प्रकार एक साथ जोड़कर न केवल चैंपियन तैयार करती हैं बल्कि पूरे खेल उद्योग का विकास भी करती हैं। वैदेही वैद्य चाहती हैं कि भारतीय खेल पेशेवर पदकों और मुकाबलों से आगे की सोच विकसित करें।

उनके सत्र का शीर्षक था अमेरिका की खेल प्रणालियाँ और मार्गः चैंपियन और उद्योगों को आकार देने वाली संरचनाएँ। इस सत्र में प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि अमेरिका स्कूलों, कॉलेजों, पेशेवर लीग और विशेष सहायता नेटवर्कों के माध्यम से दीर्घकालिक खेल प्रणालियों का निर्माण कैसे करता है। अमेरिका में अपने अनुभव के आधार पर वैद्य कहती हैं कि अमेरिकी खेलों की सफलता उन प्रणालियों में निहित है जो हर स्तर पर खिलाड़ियों को सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं।

वैद्य कहती हैं, अमेरिका तीन आयामी दृष्टिकोण अपनाता है: संरचित, वैज्ञानिक और पेशेवर। अमेरिकी खेल उद्योग अत्यंत सुव्यवस्थित है। खेल क्षेत्र में प्रवेश करने वाले खिलाड़ियों को आमतौर पर अपने कॅरियर के मार्ग की स्पष्ट समझ होती है। स्कूल टीमों से लेकर राष्ट्रीय लीग तक, प्रदर्शन विज्ञान के महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। अमेरिकी दृष्टिकोण केवल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें बुनियादी ढाँचे, प्रबंधन और पेशेवर सहायता प्रणालियों में दीर्घकालिक निवेश भी शामिल है, जो समग्र रूप से खेल उद्योग को सशक्त बनाते हैं।

ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम से साझा की सफलता की रणनीतियाँ

वैद्य ने अमेरिकी विदेश विभाग के ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम में भाग लिया था, जिसका संचालन टेनेसी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्पोर्ट, पीस एंड सोसाइटी द्वारा किया जाता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय खेल दिग्गजों को अमेरिकी मेंटर्स और संस्थानों से जोड़ता है ताकि खेल नेतृत्व और प्रबंधन से जुड़ी सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान किया जा सके।

इस आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौरान वैद्य ने देखा कि अमेरिकी खेल क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी विशेषज्ञता और पेशेवर प्रबंधन किस प्रकार मिलकर कार्य करते हैं। इस अनुभव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि अमेरिकी संगठन ऐसे दीर्घकालिक तंत्र कैसे विकसित करते हैं जो खिलाड़ियों और खेल पेशेवरों दोनों का समर्थन करते हैं। वह कहती हैं, चाहे कोचिंग हो, खेल विज्ञान हो या डेटा विश्लेषण, इन सभी क्षेत्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाता है और अनुसंधान का समर्थन प्राप्त होता है। यह कार्यप्रणाली मजबूत तकनीकी कार्यक्रमों के विकास में योगदान देती है और ऐसे पेशेवरों को तैयार करती है जो अपने-अपने क्षेत्रों में उच्च स्तर की विशेषज्ञता प्रदर्शित करते हैं।

पर्यावरण के लिए ऑक्सीजन जरुरी
वैंकरमेंन टेकनोलांजी से मिलेगा समाथान
बढ़ता प्रदूशण – घटते जंगल
दिल्ली में 0.3 पेड औसतन
भारत मे 28 पेड औसतन
CO_2
O_2
प्रति व्यक्ति 131 पेड़ की आवश्यकता
केवल 0.3 पेड़ औसतन
नई तकनीक
131+
पेडो के
बराबर क्षमता
स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन
BUNKERMAN
Plot No. 20 & 26, HIMUDA Industrial Area Phase IV,
Bhatoli Kalan, Baddi (HP) – 173205
8800604455 | www.bunkermanindia.in | www.bunkerman.in

★ क्लब NPC इंडिया को समर्पित ★
NETWORK FOR PEOPLE OF CONSTRUCTION
CLUB
NPC
INDIA
क्लब NPC इंडिया
शब्दवाणी समाचार का मासिक विशेषांक
राष्ट्रीय निर्माण एवं जनहित कार्यों में समर्पित व्यक्तित्वों की
प्रेरक गाथाएँ, उपलब्धियों एवं विशेष समाचार
शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के साथ निशुल्क वितरित
विशेषांक ★ | साक्षात्कार ★ | उपलब्धियाँ ★ | समाचार ★ | प्रेरक व्यक्तित्व
निर्माण क्षेत्र, विकास और जनसरोकार के लिए

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
Frigate
SolarTech
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

इंस्टाग्राम व डेटिंग ऐप्स से नहीं मिलेगी मंजिल : कंगना

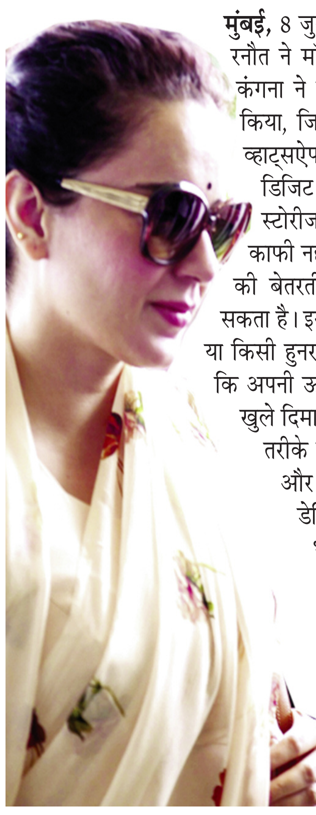

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मशहूर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने मॉडर्न डेटिंग पर अपनी राय साझा की है। बुधवार को कंगना ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने युवाओं को सलाह दी। उन्होंने लिखा कि व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम, डेटिंग ऐप्स, बेंचिंग, घोस्टिंग, डबल/ट्रिपल डिजिट बॉडी काउंट्स, क्रम्बिंग, सीइंग, टेस्टिंग, फिल्टर्स, स्टोरीज, ड्रग्स, क्लब्स और बहुत कुछ हैं, लेकिन फिर भी यह काफी नहीं है। किसी लक्ष्य या उद्देश्य के बिना पैशन कई तरह की बेतरतीब और सेल्फ-डिस्ट्रक्टिव एक्सप्रेशन्स का रूप ले सकता है। इसलिए जुनून होना जरूरी है, लेकिन वह आपके करियर या किसी हुनर के प्रति होना चाहिए। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि अपनी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में लगाएं। उन्होंने लिखा कि खुले दिमाग से सोचें, लेकिन जीवन को रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) तरीके से जिएं। इससे आप बोरियत, नकारात्मकता, अवसाद और ऐसी कई दूसरी परेशानियों से बच सकते हैं। आधुनिक डेटिंग का असर समाज में विवाह संबंधों की प्रकृति पर भी पड़ा है, जिससे वैवाहिक मामलों से जुड़े अपराधों में वृद्धि देखी जा रही है। इससे पहले कंगना ने स्ट्रीमिंग रियलिटी शो लॉकअप के नए सीजन में जेलर की भूमिका निभा रहे फराह खान और रितेश देशमुख के साथ हिस्सा लिया था। फराह और रितेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि दोनों ने प्रतियोगियों के साथ व्यवहार करते समय पूरी निष्पक्षता दिखाई है।

वैज्ञानिकों ने विकसित की 'लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम'

- ज्यादा जोखिम वाले इलाकों की पहले से पहचान करने में मदद मिलती है
- जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया डेटाबेस से लगभग 26,000 पुराने लैंडस्लाइड की पहचान की

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) मंडी के वैज्ञानिकों ने भारतीय हिमालयी क्षेत्र के लिए पूरी तरह से काम करने वाला 'लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम' विकसित किया है। इसका मकसद मॉनसून के दौरान एक वेब-बेस्ड प्लेटफॉर्म के जरिए भूस्खलन के जोखिमों की रोजाना भविष्यवाणी करके आपदा की तैयारी को बेहतर बनाना है। भारतीय हिमालयी क्षेत्र देश के सबसे ज्यादा लैंडस्लाइड वाले इलाकों में से एक है, जहां बदलते क्लाइमेट पैटर्न की वजह से ढलानों के टूटने की दर बढ़ रही है, जिससे जानमाल का भारी नुकसान होता है।

इस रिसर्च को आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ सिविल एंड एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डेरिक्स प्रेज शुक्ला ने रिसर्च स्कॉलर अंकित सिंह और नितेश धीमान के साथ मिलकर लीड किया।

लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम, इलाके की संवेदनशीलता की जानकारी को रियल-टाइम बारिश के डेटा के साथ मिलाकर लैंडस्लाइड की संभावना का अनुमान लगाता है और उस पर नजर रखता है। यह अधिकारियों और डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसियों को समय पर बचाव के उपाय करने में मदद करने के लिए जगह के हिसाब से चेतावनी जारी करता है। प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि यह सिस्टम मानसून सीजन की शुरुआत से एक वेब-बेस्ड एप्लिकेशन के जरिए रोजाना लैंडस्लाइड का अनुमान देता है, जिससे ज्यादा जोखिम वाले इलाकों की पहले से पहचान करने में मदद मिलती है और अधिकारियों और समुदायों को समय पर खाली करने और तैयारी के उपाय करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि सैटेलाइट-बेस्ड अर्ली वार्निंग सिस्टम आपदा के जोखिम को कम करने में सबसे असरदार इन्वेस्टमेंट में से एक हैं क्योंकि वे साइंटिफिक डेटा को समय पर, एक्शन लेने लायक जानकारी में बदलते हैं। उनके अनुसार, पूरे इलाके में फोरकास्टिंग प्लेटफॉर्म में तैयारी को मजबूत करने, इमरजेंसी रिस्पॉन्स को बेहतर बनाने और लैंडस्लाइड के ज्यादा खतरे के समय डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसियों के बीच कोऑर्डिनेशन बढ़ाने की क्षमता है। भारत में कई लैंडस्लाइड चेतावनी सिस्टम हैं, लेकिन वे सिर्फ छोटे-छोटे इलाकों तक ही काम करते हैं। इसके उलट, आईआईटी मंडी द्वारा विकसित किया गया लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम पूरे भारतीय हिमालयी क्षेत्र को कवर करता है। इससे यह देश का सबसे बड़े स्तर पर काम करने वाला लैंडस्लाइड पूर्वानुमान सिस्टम बन गया है। रिसर्चर्स ने इस सिस्टम को मल्टी-स्टेज मेथडोलॉजी का इस्तेमाल करके डेवलप किया। उन्होंने सबसे पहले जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया डेटाबेस से लगभग 26,000 पुराने लैंडस्लाइड की पहचान की ताकि लैंडस्लाइड ससेप्टिबिलिटी मैप तैयार किया जा सके। फिर कई लैंडस्लाइड-ट्रिगरिंग फैक्टर्स को एन्सेम्बल मशीन लर्निंग मॉडल्स का इस्तेमाल करके इंटीग्रेट किया गया। टीम ने नासा के ग्लोबल लैंडस्लाइड कैटलॉग के डेटा और आईएमईआरजी सैटेलाइट डेटासेट से मिले सात रेनफॉल पैरामीटर्स का इस्तेमाल करके प्रोबेबिलिटी ऑफ रेनफॉल-इंड्यूस्ड लैंडस्लाइड्स मॉडल भी डेवलप किया।

'तुम्हारी मुस्कान हमेशा दिल में रहेगी'

दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे फैन के निधन पर पवन कल्याण ने दी श्रद्धांजलि

अमरावती, 8 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने अपने प्रशंसक निरंजन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। दुर्लभ जेनेटिक बीमारी से जूझ रहे निरंजन की आखिरी इच्छा पवन कल्याण से मिलने की थी, जिसे अभिनेता सह राजनेता ने 17 जून को तेलंगाना के हनमकोंडा स्थित उनके घर जाकर पूरा किया था। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि कुछ दिन पहले हनमकोंडा में निरंजन के घर जाकर उससे मुलाकात की यादें आज भी मेरी आंखों के सामने ताजा हैं। गंभीर बीमारी से लड़ते हुए भी वह मेरा इंतजार कर रहा था। मुझे देखते ही उसके चेहरे पर आई छोटी-सी मुस्कान हमेशा मेरी यादों में रहेगी।

निरंजन एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से पीड़ित था। इस बीमारी के कारण उसका शारीरिक विकास रुक गया था और वह लंबे समय से बिस्तर पर ही था। उसकी अंतिम इच्छा अपने पसंदीदा अभिनेता पवन कल्याण से मिलने की थी। पवन कल्याण ने लिखा कि भले ही निरंजन का शरीर बीमारी से लड़ रहा था, लेकिन उसका मन और हौसला बेहद मजबूत था। इतनी तकलीफ में भी उसने जिस उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ जिंदगी का सामना किया, वह अनमोल है। इतने साहसी बच्चे का इतनी जल्दी दुनिया छोड़ जाना बेहद दुखद है। मैं उसके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस अपूरणीय दुख को सहने की शक्ति दें।

उन्होंने आगे लिखा कि प्रिय निरंजन, तुम्हारी मुस्कान, तुम्हारा साहस और तुम्हारा प्यार हमेशा मेरे दिल में रहेगा।

कलर्स का शो जूही मुई राजधानी में छाया

नई दिल्ली 8 जुलाई (एजेंसियां)। कलर्स का शो 'जुही मुई' ऑटिज़्म की संवेदनशील प्रस्तुति और समावेशन के सशक्त संदेश के जरिए सहानुभूति के बीज बोते हुए आगे बढ़ रहा है। हाल ही में शो के मुख्य कलाकार ईशा सिंह और विजयेंद्र कुमेरिया इसकी गर्माहट और उम्मीदों को उस शहर तक लेकर आए जहाँ इसकी कहानी बसती है दिल्ली। राजधानी जुही की प्रेरणादायक यात्रा की पृष्ठभूमि होने के कारण यह दौरा एक जश्न बन गया। यह शो न सिर्फ़ दिल जीत रहा है बल्कि ऑटिज़्म और स्वीकार्यता पर सार्थक बातचीत भी शुरू कर रहा है। यह दौरा शो के लिए एक खास घरवापसी जैसा रहा, जिसने दर्शकों को उन कलाकारों से मिलने का मौका दिया जो एक ऐसी कहानी के पीछे हैं जो रूढ़ियों को चुनौती दे रही है और लोगों को लेबल्स से परे देखने के लिए प्रेरित कर रही है। 'जुही मुई' जुही सूरी (ईशा सिंह) की यात्रा को दिखाता है – एक प्रतिभाशाली युवा ऑटिस्टिक लड़की जिसकी असाधारण सोच उसकी सबसे बड़ी ताक़त बन जाती है, उस दुनिया में जो अक्सर उसे समझ नहीं पाती। मौजूदा ट्रैक में, पिता को खोने के बाद जो उसे समाज की कठोर सच्चाइयों से बचाते थे वह अपने दुख से जूझ रही है। इस भावनात्मक उथलपुथल के बीच उसे इंस्पेक्टर सन्यम सिंह (विजयेंद्र कुमेरिया) में एक अनोखा साथी मिलता है, जिसकी करुणा और सहजता यह साबित करती है कि असली न्याय समझ से शुरू होता है। दिल्ली दौरे और शो के प्रति मिले प्यार पर ईशा सिंह, ने कहा, 'दिल्ली सिर्फ़ भारत का दिल नहीं है; यह जुही मुई का दिल भी है। शो की सूरजमुखी जैसी रूह को उस शहर में लाना जहाँ इसकी कहानी जड़ें जमाती है और लोगों से इतना भावनात्मक रिस्पॉन्स पाना बेहद संतोषजनक रहा।

आधुनिक ईवीएआर तकनीक से 63 वर्षीय मरीज को मिला नया जीवन

- मरीज का अत्यधिक रक्तश्राव की वजह से जीवन का एक प्रतिशत रह गयी थी सम्भावना

ग्रेटर नोएडा, 8 जुलाई (देशबन्धु)। चुनौतीपूर्ण समय में मरीज को यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन लाया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों ने आधुनिक ईवीएआर (एंडोवास्कुलर एओर्टिक रिपेयर) तकनीक और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से 63 वर्षीय मरीज की जान बचाई। यथार्थ हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने बताया कि जब मरीज यहां लाया गया था तब उसके बचने की संभावना सिर्फ 1 प्रतिशत थी। यथार्थ हॉस्पिटल आने से पहले उसे 25 यूनिट से अधिक ब्लड भी चढ़ाया जा चुका था। उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी, लेकिन यहां के डॉक्टरों के अथक प्रयास के बाद 63 वर्षीय मरीज को यथार्थ हॉस्पिटल में जीवनदान मिला। यहां आने से पहले दिल्ली के दो बड़े अस्पतालों ने मरीज की अत्यंत गंभीर स्थिति को देखते हुए उपचार से हाथ खड़े कर दिए थे। इस दौरान मरीज को कई यूनिट रक्त चढ़ाया जा चुका था, लेकिन लगातार हो रहे आंतरिक रक्तस्राव के कारण उनकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। मरीज पिछले लगभग 15 दिनों से लगातार पीठ दर्द, कमजोरी और मल के साथ खून आने की समस्या से परेशान थे। जांच में पता चला कि उन्हें पेट की मुख्य रक्त वाहिनी (एब्डॉमिनल एओर्टा) में गंभीर एब्डॉमिनल एओर्टिक एन्यूरिज्म था। इसके कारण एओर्टा और छोटी आंत के बीच एओर्टोएंटरिक फिस्टुला बन गया था, जिससे लगातार रक्तस्राव हो रहा था। यह खून आंत के रास्ते मल के साथ बाहर निकल रहा था। लगातार रक्तस्राव के कारण उनका ब्लड प्रेशर भी बेहद कम हो गया था। डॉ. जीवन पिल्लई, डायरेक्टर- कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन ने बताया कि एब्डॉमिनल एओर्टिक एन्यूरिज्म एक जानलेवा बीमारी है, जिसके शुरुआती लक्षण अक्सर स्पष्ट नहीं होते। इस मरीज की स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन समय पर सही जांच, आधुनिक ईवीएआर तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों के समन्वित प्रयासों से उनकी जान बचाई जा सकी। लगातार पेट या पीठ में दर्द, मल के साथ खून आना या अचानक कमजोरी जैसे लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए समय पर जांच और उपचार बेहद जरूरी है। साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित खान-पान अपनाकर कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है। डॉ. हार्दिक आहूजा, कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन ने कहा कि यह मामला बेहद जटिल था क्योंकि मरीज में लगातार आंत से रक्तस्राव हो रहा था। एंडोस्कोपी, एपीसी उपचार और कैप्सूल एंडोस्कोपी जैसी उन्नत जांचों के माध्यम से रक्तस्राव के वास्तविक कारण की पहचान की गई।

असामान्य इंट्रायूटेराइन ब्लड ट्रांसफ्यूजन ने तीन महीने के पूरब को जानलेवा फीटल एनीमिया से बचाया

नोएडा। गर्भावस्था के दौरान Rh आइसोइम्यूनाइजेशन (एक असामान्य और जानलेवा बीमारी) से होने वाली जटिलताओं की वजह से दो गर्भावस्था खत्म होने के बाद दिल्ली के मयूर विहार की एक 29 साल की महिला ने नोएडा के कैलाश हॉस्पिटल के डॉक्टरों के समय पर इलाज के बाद एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। गर्भावस्था के 19वें हफ़्ते में भ्रूण में फ़ीटल एनीमिया का पता चलने पर गर्भ में पल रहे बच्चे 'पूरब' (बदला हुआ नाम) को गर्भाशय के अंदर ही पाँच बार ब्लड ट्रांसफ़्यूज़न किया गया। भ्रूण के इलाज की इस बेहद खास प्रक्रिया से गर्भावस्था को बनाए रखने में मदद मिली। 34 हफ़्ते पर सुरक्षित रूप से जन्म लेने के बाद बच्चा, अब तीन महीने का है, स्वस्थ है और नियमित मेडिकल देखरेख में अच्छी तरह से बड़ा हो रहा है। कैलाश हॉस्पिटल की फ़ीटल मेडिसिन और मेडिकल जेनेटिक्स की सीनियर कंसलटेंट डॉ. नेहा गुप्ता ने बताया कि अगर Rh आइसोइम्यूनाइजेशन की समय पर पहचान और सही इलाज न किया जाए, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, खासकर उन महिलाओं में जिनकी पहले भी गर्भपात हो चुकी हो।

बच्चों का अभिभावक कैसे करें परवरिश, विचार गोष्ठी आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 8 जुलाई (देशबन्धु)। सेंट जोसेफ विद्यालय सेक्टर अल्फा- वन ग्रेटर नोएडा में विद्यालय प्रबंधन की तरफ से शनिवार से बुधवार तक अभिभावकों के लिए एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी के लिए अंतरराष्ट्रीय निगमित प्रशिक्षक एवं मनोवैज्ञानिक डेनी जोसेफ को बुलाया गया तथा अभिभावकों के साथ अनेकों परेशानियों से बारे में विस्तृत मंथन किया गया, जिसका वे हर रोज सामना करते हैं और ऐसी परेशानियों से उभरने के रास्तों के भी विस्तृत सुझाव दिये। इस गोष्ठी में सैकड़ों की संख्या में अभिभावक सम्मिलित हुए जिसमें उन्हें बताया कि ये हर अभिभावक की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों के साथ जरूरत के अनुसार समय गुजारे-बिताये, जिससे वह बच्चा किसी अन्य स्रोत से जानकारी जुटाने के बारे में सोचे भी नहीं और अपने बच्चे की हर समस्या को ध्यान से सुनकर और उन्हें पूर्ण विश्वास दिलायें कि वे जो सुझाव दे रहे हैं या जिसके पास सुझाव के लिए भेज रहे हैं वही सर्वश्रेष्ठ है। आज दुनिया में सुझाव देने वाले बहुत मिल जाएंगे परंतु इसका सही आकलन जरूरी है कि क्या सही है क्या गलत। जोसेफ ने अभिभावकों को बताया कि हमें अपने बच्चों को तुलनात्मक दृष्टि से नहीं देखना चाहिए और अगर देखना अति आवश्यक तो उनकी आलोचना या निंदा नहीं करनी चाहिए।

आईआईटी भुवनेश्वर के अध्ययन में खुलासा

कई जगहों पर तेजी से बढ़ रहा सतह का तापमान

- खोर्दा, गंजम, कटक और सुंदरगढ़ जैसे जिलों के लगातार बढ़ रहा तापमान

भुवनेश्वर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि ओडिशा में कई जगहों पर बहुत ज्यादा तापमान वाले इलाकों में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा कई तटीय जिलों में गर्म जमीनी सतह वाले क्षेत्रों में दो से नौ प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हुई है। आईआईटी भुवनेश्वर के पृथ्वी, समुद्र एवं जलवायु विज्ञान विद्यालय की डॉ. देबदत्ता स्वैन और दिक्षिका महापात्रा के इस अध्ययन को एनवायरनमेंटल साइंस एडवांसेज नाम की पत्रिका में प्रकाशित किया गया। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में ओडिशा के 30 जिलों के दो दशक के सैटलाइट आंकड़ों का अध्ययन किया, ताकि राज्य की गर्म जगहों में होने वाले बदलावों का अध्ययन किया जा सके।

अध्ययन में खुलासा हुआ कि खोर्दा, गंजम, कटक और सुंदरगढ़ जैसे जिलों के लगातार शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण के कारण सतह का तापमान बढ़ रहा है और कई तटीय क्षेत्रों में गर्म जगहों में हर साल दो से नौ प्रतिशत का इजाफा हो रहा है। शोध में यह भी खुलासा हुआ कि बढ़ती हुई गर्मी सिर्फ शहरी इलाकों तक सीमित नहीं है। बलांगीर , कालाहांडी, रायगड़ और गजापती जैसे अंदरूनी तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भी गर्मी बढ़ रही है। घटते हुए जंगल तथा बंजर जमीन में इजाफा इसका मुख्य कारण है। शोधकर्ताओं के अनुसार सतही तापमान में इस तरह का इजाफा सार्वजनिक स्वास्थ्य, ऊर्जा जरूरतों तथा पर्यावरणीय संतुलन के लिए हानिकारक हो सकता है। इस समस्या से निपटने के लिए शोधकर्ताओं ने सलाह दी है कि शहरों में हरियाली बढ़ाये जाने के साथ ही गर्मी से बचाने वाली अवसंरचनाओं को बढ़ाना देना तथा कच्छ वनस्पति और नदी के किनारे की वनस्पति में सुधार करना चाहिए।

काशी विश्वनाथ मंदिर में काशीवासियों को बड़ी राहत

स्थानीय श्रद्धालुओं को पूरे दिन मिलेगा विशेष प्रवेश

- स्थानीय पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा
- मंदिर प्रशासन द्वारा जारी वार्षिक दैनिक दर्शनार्थी पास मान्य होगा

वाराणसी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट ने स्थानीय श्रद्धालुओं को बड़ी राहत देते हुए काशीवासियों के लिए गेट नंबर 4बी (काशी द्वार) से पूरे दिन विशेष प्रवेश की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था के तहत स्थानीय निवासी सुबह 4:15 बजे से रात 10:45 बजे तक काशी द्वार से मंदिर में प्रवेश कर बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर सकेंगे। हालांकि, यह सुविधा फिलहाल श्रावण मास से पहले ट्रायल के तौर पर शुरू की जा रही है और श्रावण सहित विशेष पर्वों पर लागू नहीं होगी। मंदिर प्रशासन का कहना है कि ट्रायल सफल रहने और व्यवस्था का आकलन करने के बाद इसे नियमित रूप से लागू करने की योजना है।

काशी विश्वनाथ मंदिर के सीईओ विश्व भूषण मिश्रा ने इस व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लगातार बढ़ाने के लिए मंदिर न्यास प्रयासरत है। 2024 में काशीवासियों के लिए सुबह 4 से 5 बजे और शाम 4 से 5 बजे तक विशेष दर्शन की व्यवस्था शुरू की गई थी। अब वर्ष 2026 में श्रावण मास प्रारंभ होने से पहले इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए पूरे दिन के लिए काशी द्वार खोलने का निर्णय लिया गया है। प्रतिदिन मंदिर के कपाट खुलने के बाद व्यवस्थाओं को सुचारू करने के लिए लगभग 15 मिनट का समय रखा जाएगा और उसके बाद सुबह 4:15 बजे से दर्शन शुरू हो जाएंगे। वहीं, मंदिर रात 11 बजे बंद होता है, इसलिए रात 10:45 बजे काशी द्वार बंद कर दिया जाएगा। इस प्रकार सुबह से रात तक स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए यह प्रवेश द्वार लगातार खुला रहेगा। सीईओ ने कहा कि यह सुविधा केवल काशीवासियों के लिए होगी और इसके लिए स्थानीय पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। काशी के पते वाला आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, सरकारी कर्मचारी का स्थानीय पते वाला पहचान पत्र अथवा मंदिर प्रशासन द्वारा जारी वार्षिक दैनिक दर्शनार्थी पास मान्य होगा। उन्होंने कहा कि कई लोग बाहर से आकर काशी में स्थायी रूप से रह रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए भी वार्षिक शुल्क देकर विशेष पास बनवाने की सुविधा उपलब्ध है और वह भी इस व्यवस्था का लाभ उठा सकेंगे।

विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि गेट नंबर 4बी पहले भी 'काशी द्वार' के रूप में सुबह और शाम सीमित समय के लिए खुलता था, लेकिन अब इसे पूरे दिन संचालित किया जाएगा। पिछले अनुभव के आधार पर मंदिर प्रशासन को उम्मीद है कि पूरे दिन श्रद्धालुओं की संख्या संतुलित रहेगी। पहले भी एक घंटे की निर्धारित अवधि में अधिकतर श्रद्धालु 15 से 30 मिनट के भीतर दर्शन कर लेते थे। इसलिए पूरे दिन व्यवस्था खुली रहने से भीड़ का दबाव कम होगा और दर्शन अधिक सुचारू ढंग से हो सकेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि श्रावण मास और अन्य विशेष पर्वों पर, जब लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, तब इस द्वार का संचालन अलग व्यवस्था के तहत किया जाएगा। ऐसे अवसरों पर 10 से 13 लाख तक श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं और काशीवासी भी बाहर से आने वाले शिवभक्तों को अपना अतिथि मानते हुए सहयोग करते हैं। शिव पुराण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिवभक्त में स्वयं भगवान शिव का वास माना गया है और काशीवासी हमेशा इस परंपरा का सम्मान करते आए हैं।

भारतीय शिक्षा दिवस संगोष्ठी में भारतीय जीवन-मूल्यों के महत्व पर चर्चा

ग्रेटर नोएडा, 8 जुलाई (देशबन्धु)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, गौतम बुद्ध नगर शिक्षा केंद्र, मेरठ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में शारदा विश्वविद्यालय में स्थापना सप्ताह के अंतर्गत 'भारतीय शिक्षा दिवस' के अवसर पर एक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 33 गणमान्य प्रतिभागियों की उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सतीश कुमार वर्मा, सहायक आचार्य, भौतिकी विभाग, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, गौतम बुद्ध नगर शिक्षा केंद्र रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दयानंद शर्मा, सहायक आचार्य, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, शारदा विश्वविद्यालय तथा डॉ. शशांक शर्मा, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, शारदा विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मोहित साहनी, एसोसिएट डीन (रिसर्च), शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. नीरज कौशिक, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा रहे। उन्होंने भारतीय शिक्षा की गौरवशाली परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा शिक्षा में भारतीय जीवन-मूल्यों के महत्व पर सारगर्भित एवं प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेमपाल, जिला प्रचारक, गौतम बुद्ध नगर रहे। उन्होंने भारतीय संस्कृति-आधारित शिक्षा की आवश्यकता तथा राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों और विद्यार्थियों की भूमिका पर अपने प्रेरक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज कुमार, नगर कार्यवाह, गौतम बुद्ध नगर ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की कार्ययोजना, स्थापना सप्ताह के महत्व तथा समाज की सहभागिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडिगो	5.02 प्रतिशत
मारुति सुजुकी	4.11 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनीलिवर	3.36 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	3.07 प्रतिशत
कोटक महिंद्रा बैंक	2.93 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,840
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,29,350
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.77	93.72
पौड स्टर्लिंग	129.84	125.26
यूरो	110.88	106.72
चीन युआन	14.95	13.22

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

सरकार ने 'हैंडलूम हैकाथॉन 2026' किया लॉन्च

■ हथकरघा क्षेत्र में नवाचार को मिलेगा बढ़ावा
■ ग्रैंड फिनाले में चयनित टीमें अपने नवाचार व समाधान प्रस्तुत करेंगी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने भारत के हथकरघा (हैंडलूम) क्षेत्र में तकनीक, डिजाइन, उद्यमिता और टिकाऊ समाधानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर की नवाचार प्रतियोगिता 'हैंडलूम हैकाथॉन 2026 - 'बुनाई नवाचार'' लॉन्च की है। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। वस्त्र मंत्रालय के तहत विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित इस हैकाथॉन का ग्रैंड फिनाले 1 अगस्त को आईआईटी दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) में आयोजित किया जाएगा।

ग्रैंड फिनाले में चयनित टीमें अपने नवाचार और समाधान प्रस्तुत करेंगी, जिनका मूल्यांकन शिक्षा जगत, उद्योग, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और हथकरघा क्षेत्र के विशेषज्ञों की जूरी करेगी। विकास आयुक्त (हैंडलूम) एम. बीना ने कहा कि 'हैंडलूम हैकाथॉन 2026' का उद्देश्य भारत के युवाओं की रचनात्मक सोच को देश की समृद्ध हथकरघा विरासत से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से ऐसे व्यावहारिक और बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले समाधान विकसित करने का प्रयास किया जाएगा, जो हथकरघा क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों का समाधान करें, इसकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाएं और इसके सतत विकास में योगदान दें। यह मंच बुनकरों, छात्रों, डिजाइनरों और तकनीकी विशेषज्ञों को एक साथ लाकर सहयोग को बढ़ावा देगा।

इस प्रतियोगिता में वस्त्र, फैशन, डिजाइन, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई कर रहे छात्र, हथकरघा बुनकर, कारीगर, शोधकर्ता, स्टार्टअप, उद्यमी, नवोन्मेषक और विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर भाग ले सकेंगे। हैकाथॉन के तहत उत्पाद और डिजाइन नवाचार, सतत विकास और सर्कुलर इकोनॉमी, डिजिटल तकनीक, बाजार तक पहुंच, ब्रांडिंग, सप्लाई चेन की दक्षता, उत्पादकता बढ़ाने, व्यवसाय विकास और सामाजिक प्रभाव जैसे विषयों पर नवाचारी समाधान आमंत्रित किए गए हैं।

मंत्रालय के अनुसार, 20 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण खुले रहेंगे और इच्छुक प्रतिभागी हैकाथॉन के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन कर अपने आइडिया प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्षेत्रीय इनोवेशन हब के तौर पर उभर रहा भारत का मेडिकल-डिवाइस सेक्टर

■ वित्त वर्ष 2025 में देश का मेडिकल-डिवाइस निर्यात 4 अरब डॉलर तक पहुंचा

नई दिल्ली। भारत का मेडिकल-डिवाइस सेक्टर एक क्षेत्रीय इनोवेशन हब के तौर पर उभर रहा है, जिसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 'एक्सेस-लेड इनोवेटर' के तौर पर पहचाना जा रहा है। साथ ही, वित्त वर्ष 2025 में देश का मेडिकल-डिवाइस निर्यात 4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। बेन एंड कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 125 से अधिक देशों को मेडिकल डिवाइस निर्यात करता है और देश में हाई-एंड मेडिकल डिवाइस का आयात 5.5 अरब डॉलर का रहा, जो इनोवेशन के लिए अगले मौके की ओर इशारा करता है। यह रिपोर्ट एजेंसी फॉर साइंस, टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, एंटरप्राइज सिंगापुर, जेपी मॉर्गन, एसजी ग्रोथ कैपिटल और सिंगापुर इकोनॉमिक डेवलपमेंट बोर्ड की साझेदारी में तैयार की गई थी। एशिया-पैसिफिक क्षेत्र, जिसमें भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार शामिल हैं, दुनिया के सबसे अहम मांग केंद्रों में से एक बन रहा है। उम्मीद है कि 2030 तक ग्लोबल मेडटेक डिमांड में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 132 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी, जो सालाना 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, यह ग्लोबल मार्केट की ग्रोथ रेट से अधिक है। जैसे-जैसे डिमांड और इनोवेशन की क्षमताएं बढ़ रही हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहा यूपीआई का लेनदेन

■ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन आधारित यूपीआई लेनदेन की संख्या जून में 600 मिलियन के पार

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने बुधवार को कहा कि जून में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन आधारित यूपीआई लेनदेन की संख्या 611 मिलियन से अधिक रही है और इन लेनदेन की कुल वैल्यू 25,416 करोड़ रुपए थी। यह दिखाता है कि यूपीआई का लेनदेन देश में तेजी से बढ़ रहा है।

बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के तहत यूजर्स अपने स्मार्टफोन में फिंगरप्रिंट या चेहरे की पहचान के माध्यम से बिना पिन के आसानी से लेनदेन कर सकते हैं। एनपीसीआई की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर-ग्रोथ, सोहिनी राजोला ने कहा कि बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन को तेजी से अपनाए जाने से पता चलता है कि यूपीआई यूजर्स आसान और कुशल पेमेंट अनुभव को ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

जून में 600 मिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन के साथ, इस सॉल्यूशन को अलग-अलग तरह के इस्तेमाल में, जिसमें यूपीआई पर रुपे क्रेडिट कार्ड भी शामिल है, काफी पसंद किया जा रहा है।

राजोला ने बताया, 'कई बैंक और यूपीआई ऐप्स पहले से ही अपने ग्राहकों को बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की सुविधा दे रहे हैं। हमें उम्मीद है कि जैसे-जैसे ज्यादा यूजर्स पेमेंट के इस सुरक्षित और आसान तरीके को अपनाएंगे।

मध्य पूर्व में तनाव से सोने-चांदी में गिरावट

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की शुरुआत बुधवार को गिरावट के साथ हुई। इससे दोनों का दाम 0.7 प्रतिशत तक कम हो गया। इसकी वजह अमेरिका की ओर से ईरान पर हमले के चलते मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव बढ़ना है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,45,392 रुपए प्रति 10 ग्राम मुकाबले 192 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 1,45,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10 बजे यह 414 रुपए या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,44,978 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,44,800 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,45,356 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी में भी गिरावट देखी गई है। चांदी का 4 सितंबर 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,30,857 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 842 रुपए की गिरावट के साथ 2,30,015 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल यह 1,552 रुपए या 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,29,305 रुपए प्रति किलो पर थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी में बिकवाली देखने को मिली।

ईरान पर अमेरिका के हमले से बाजार धड़ाम

■ सेंसेक्स 2.15 प्रतिशत लुढ़ककर 76,503.60 अंक पर रहा
■ निफ्टी 2.12 प्रतिशत टूटकर 23,882.05 अंक पर रहा

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को जबरदस्त गिरावट देखी गई और प्रमुख सूचकांक दो प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,677.12 अंक (2.15 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,503.60 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 516.65 अंक यानी 2.12 प्रतिशत टूटकर 23,882.05 अंक पर आ गया। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का 30 जून का बाद का निचला बंद स्तर है।

अमेरिका ने मंगलवार को ईरान पर फिर हमले किए। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ अंतरिम शांति समझौता समाप्त होने की घोषणा की है। इससे बाजार में निवेश धारणा कमजोर हुई। निवेशकों ने इक्विटी में जोखिम उठाने से परहेज किया। तनाव बढ़ने के बाद कच्चा तेल छह प्रतिशत से अधिक चढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। साथ ही दुनिया भर के लगभग सभी प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट रही।

घरेलू स्तर पर वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.45 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.24 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। वहीं, बाजार में उथल-पुथल के स्तर को दिखाने वाला इंडिया वीआईएक्स सूचकांक 24.85 पर पहुंच गया।

सार संक्षेप

फ्लिपकार्ट ने फैशन श्रेणी में शून्य किया कमीशन

नई दिल्ली। प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने बुधवार से सभी फैशन उत्पादों पर कमीशन शून्य करने की घोषणा की है। पहले केवल एक हजार रुपए तक के फैशन उत्पादों पर शून्य कमीशन था। अब यह फैशन श्रेणी के उत्पादों पर लागू हो गया है। इससे विक्रेताओं को बड़ा लाभ मिलेगा और उनके लिए कारोबार बढ़ाने के नए अवसर खुलेंगे। इससे ग्राहकों के लिए फैशन श्रेणियों में ज्यादा विकल्प, प्रीमियम उत्पादों की बेहतर उपलब्धता और मूल्य में लाभ का फायदा मिलेगा। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि फ्लिपकार्ट पर फैशन श्रेणी में अपने उत्पाद बेचने वाले लगभग 90 हजार विक्रेता, जिनमें एमएसएमई और डी2सी ब्रांड शामिल हैं, अब अपने पास अतिरिक्त मार्जिन रख सकेंगे। वे आत्मविश्वास के साथ अपनी उत्पाद श्रृंखला बढ़ा सकेंगे, अधिक व्यापक ग्राहक वर्ग तक पहुंच सकेंगे और लंबे समय तक ब्रांड निर्माण में निवेश कर सकेंगे।

कच्चे तेल की कीमत में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल कीमतों में बुधवार को 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली। इसकी वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने को माना जा रहा है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान पर ताजा हमले के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर समाप्त हो गया है। कच्चे तेल के बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 6.52 प्रतिशत या 4.69 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर करीब 80 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 6 प्रतिशत या 4.85 प्रतिशत बढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। नाटो समिट के दौरान अंकारा में बोलते हुए, ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ रात में नए हमले किए। उन्होंने कहा कि ये हमले होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हमलों के जवाब में किए गए थे।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा प्लांट में शुरू की बीईएसएस

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने हरित ऊर्जा पारितंत्र को सुदृढ़ करने के लिए बुधवार को अपने खरखौदा विनिर्माण संयंत्र में एक मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) शुरू करने की घोषणा की। मारुति सुजुकी ने वर्ष 2025 में खरखौदा संयंत्र में 20 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजाना लगायी थी। संयंत्र में छुट्टी वाले दिनों में भी सौर ऊर्जा से बिजली बनती रहती है, हालांकि, उत्पादन न होने के कारण इसका उपयोग नहीं हो पाता है। बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली इस समस्या का समाधान करता है। बीईएसएस कम मांग वाले समय में या छुट्टी के दिनों में बनी अतिरिक्त बिजली को स्टोर करता है और आवश्यकता पड़ने पर इसे उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, यह ग्रिड की स्थिरता को बेहतर बनाने में भी मदद करेगा।

सेबी ने एफपीआई पंजीकरण फीस में किया बदलाव

■ अब डॉलर की जगह रुपए का होगा इस्तेमाल
■ नया बदलाव करीब छह महीने बाद होगा लागू

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत विदेशी निवेशकों और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों (एफवीसीआई) के लिए पंजीकरण फीस ढांचे में अब डॉलर की जगह रुपए का उपयोग किया जाएगा।

यह नया बदलाव करीब छह महीने बाद लागू होगा, जिससे नए सिस्टम की तरफ जाने के लिए विदेशी निवेशकों को पर्याप्त समय मिले। सेबी की ओर से जारी एक नोटिफिकेशन के अनुसार, अब मौजूदा 1,000 डॉलर की फीस को बदलकर उसके बराबर की भारतीय मुद्रा में 90,000 रुपए कर दिया गया है।

कैटेगरी-1 एफपीआई और एफवीसीआई के लिए रजिस्ट्रेशन फीस को भी 2,500 डॉलर से बदलकर 2.3 लाख रुपए कर दिया गया है। बाजार नियामक ने इसी तरह लेट फीस और कंटिन्यूएशन फीस में भी बदलाव किया है।

संशोधित नियमों के तहत, डिपॉजिटरी को एफपीआई और एफवीसीआई से इकट्ठा की गई फीस, रजिस्ट्रेशन मिलने के पांच वर्किंग दिनों के अंदर सेबी को जमा करनी होगी। इसके अलावा, नियामक ने एफपीआई रजिस्ट्रेशन के लिए कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म में जन्म की तारीख या कंपनी के बनने की तारीख को शामिल करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को आसान बना दिया है। यह बदलाव मार्च में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, परमानेंट अकाउंट नंबर (पेन) के लिए आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाने के मकसद से किया गया है। सेबी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान एफपीआई और एफवीसीआई से रजिस्ट्रेशन, कंटिन्यूएशन और दूसरी फीस के तौर पर जीएसटी सहित 12.98 मिलियन डॉलर जमा किए।

आयकर विभाग ने आईटीआर-5 के लिए जारी किया एक्सेल यूटिलिटी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2026-27 के आईटीआर-5 के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी कर दिया है। विभाग ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि आईटीआर-5 के लिए एक्सेल यूटिलिटी अब इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध है।

आईटीआर-5 फॉर्म मुख्यत: कंपनियों, लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी), व्यक्तियों के संघ और व्यक्तियों से बनी इकाई के आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए है। इनके अलावा, कॉर्पोरेट सोसायटी, बिजनेस ट्रस्ट और निवेश फंड भी आयकर रिटर्न भरने के लिए इसी फॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। एक्सेल यूटिलिटी के जरिये आयकर दाता ऑफलाइन रिटर्न तैयार कर सकते हैं और जेएसओएन फाइल तैयार कर सकते हैं। बाद में इस जेएसओएन फाइल को ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपलोड कर रिटर्न दाखिल किया जाता है।

नागपुर हवाई अड्डे पर बनेगा दूसरा रनवे व नया टर्मिनल भवन

■ 10 गुना होगी यात्री क्षमता

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नागपुर के बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का अगले आठ साल में पूरी तरह कायाकल्प कर इसकी यात्री क्षमता बढ़ाई जाएगी तथा दूसरे रनवे और एक नये एकीकृत टर्मिनल भवन का निर्माण होगा। हवाई अड्डे की परिचालक कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड ने बुधवार को एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए अगले आठ साल के लिए एक महत्वाकांक्षी तीन चरण वाले विकास रोडमैप की घोषणा की। साथ ही उसने बताया कि विस्तार योजना के तहत 30 साल में इसकी यात्री क्षमता मौजूदा 30 लाख सालाना से बढ़ाकर तीन करोड़ की जाएगी। उपलब्ध भूमि पर भविष्य में इसे बढ़ाकर पांच करोड़ तक करने की भी संभावना है।

साथ ही इस हवाई अड्डे को एक प्रमुख कार्गो एवं लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भी विकसित करने की योजना है जिसकी दीर्घकालिक कार्गो हैंडलिंग क्षमता 1.5 लाख टन प्रतिवर्ष होगी। यह घोषणा नागपुर हवाई अड्डे के निजीकरण की प्रक्रिया के तहत 30 साल के लिए जीएमआर को इसका संचालन सौंपा गया है। जीएमआर की इकाई जीएमआर नागपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएनआईएएल) ने 25 जून 2026 को लगभग 1,000 हेक्टेयर भूमि का हस्तांतरण पूरा कर हवाई अड्डे का परिचालन शुरू कर दिया था। विकास योजना के पहले चरण के तहत यात्री अनुभव को बेहतर बनाने, परिचालन क्षमता बढ़ाने तथा नागपुर को विदर्भ और आसपास के क्षेत्रों के लिए एक प्रमुख विमानन एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए जीएमआर एयरपोर्ट्स लगभग 300 करोड़ रुपए का प्रारंभिक निवेश करेगा। पहले चरण का काम एक से डेढ़ साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

भारत आसियान द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में बढ़कर 128 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और आसियान देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 128 अरब डॉलर हो गया है। यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी मजबूत हुई है। यह जानकारी बुधवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि आसियान भारत का एक प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर है और भारत के वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी करीब 11 प्रतिशत है। रिश्तों को और मजबूत करने के लिए, भारत ने 6 से 10 जुलाई तक 13वीं आसियान-भारत ट्रेड इन गुड्स एग्रीमेंट (एआईटीआईजीए) की संयुक्त समिति (जेसी) और उससे जुड़ी बैठकों की मेजबानी कर रहा है, ताकि एआईटीआईजीए की समीक्षा के तहत बातचीत की प्रगति का जायजा लिया जा सके।

आधिकारिक बयान में आगे कहा गया, संयुक्त समिति की बैठक में उप-समितियों को उनके काम के क्षेत्रों में रणनीतिक मार्गदर्शन दिया गया और उनसे एआईटीआईजीए समीक्षा के तहत बाकी बचे अध्यायों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया गया। बयान के मुताबिक बातचीत की गति बनाए रखने के लिए, उप-समितियों को तय समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई और उन्हें सहमत समय-सीमा के अंदर ठोस नतीजे हासिल करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बयान में आगे कहा गया है कि एआईटीआईजीए जॉइंट कमिटी के तहत आठ सब-कमिटी में से तीन की बैठकें अभी 13वीं जॉइंट कमिटी की बैठक के साथ-साथ हो रही हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की आर्थिक व सामाजिक प्रगति का आधार बनी

डिजिटलाइजेशन को सिर्फ बाहर से नहीं लाया जा सकता, बल्कि इसे मानव पूंजी, संस्थागत भरोसे और लगातार निवेश की मजबूत नींव पर खड़ा करना होगा : प्रोफेसर दीपक मिश्रा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था देश की भविष्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का आधार बन गई है। यह बयान एक्सपर्ट्स की ओर से यहां डिजिटल पेमेंट्स पर आयोजित एक कार्यक्रम में दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी में चिंतन रिसर्च फाउंडेशन (सीआरएफ) ने इकिगाई लॉ और कोआन एडवाइजरी ग्रुप के साथ मिलकर एक डिजिटल पेमेंट्स कॉन्क्लेव आयोजित किया।

सीआरएफ के सदस्य संजीव अहलूवालिया ने अपने उद्घाटन भाषण में डिजिटल इकोनॉमी को भारत की भविष्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का एक अहम स्तंभ बताया। उन्होंने वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और आर्थिक दक्षता में सुधार लाने में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और डिजिटल पेमेंट की अहम भूमिका पर जोर दिया। वहीं, इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस (आईसीआरआईईआर) के विजिटिंग प्रोफेसर दीपक मिश्रा ने कहा कि डिजिटलाइजेशन को सिर्फ बाहर से नहीं लाया जा सकता, बल्कि इसे मानव पूंजी, संस्थागत भरोसे और लगातार निवेश की मजबूत नींव पर खड़ा करना होगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करने वाले लोग ही भविष्य में इनोवेटर बनेंगे। उन्होंने उभरती हुई टेक्नोलॉजी के साथ समझदारी से जुड़ने की जरूरत पर जोर दिया।

शिव नादर यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज के डीन, रजत कथुरिया ने कहा कि भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर भरोसे पर बना है। इसमें रिसर्च, डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और हाई-वैल्यू डिजिटल सेवाओं के जरिए उत्पादकता बढ़ाने की क्षमता है।

हालांकि, उन्होंने सिर्फ टेक्नोलॉजी पर निर्भरता को लेकर आगाह किया। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी में तरक्की ऐसी होनी चाहिए जो सबको साथ लेकर चले, साथ ही, जिसमें पहचान की सुरक्षा, सहमति और एक्सेसिबिलिटी से कोई समझौता न हो।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें • मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर • भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049 हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

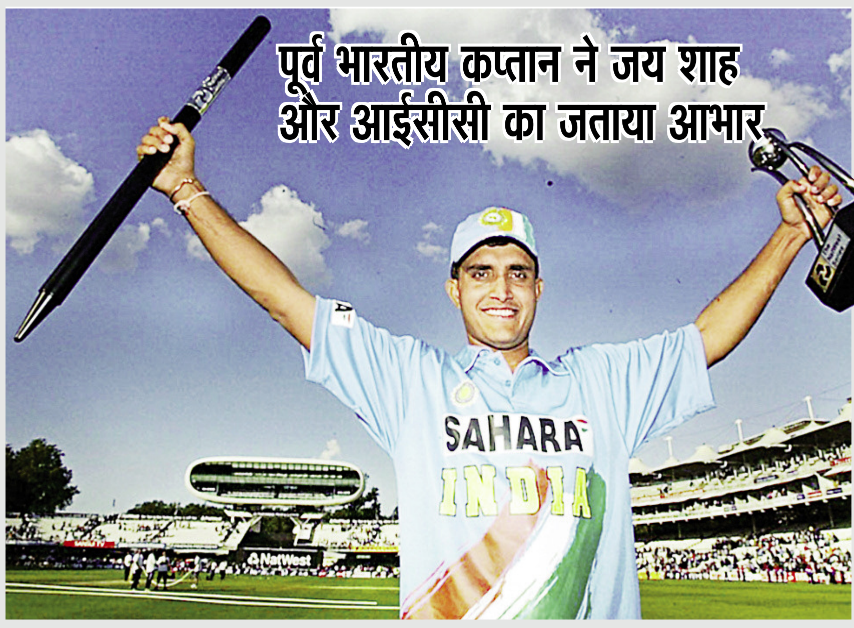

गांगुली को जन्मदिन पर तोहफा, ICC हॉल ऑफ फेम में एंट्री

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज सौरव गांगुली को उनके 54वें जन्मदिन पर बहुत बड़ा सम्मान मिला है। उन्हें बुधवार को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाने के साथ ही गांगुली भारतीय क्रिकेट के 12 दिग्गजों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ है। गांगुली ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए आईसीसी और चेयरमैन जय शाह का आभार जताया। गांगुली ने अपने पोस्ट में लिखा, आईसीसी और चेयरमैन जय शाह का धन्यवाद। हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है।

गांगुली की कप्तानी में विश्व कप के फाइनल तक पहुंचा था भारत

कप्तान के तौर पर गांगुली ने भारतीय क्रिकेट की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाई। उनकी कप्तानी में भारत ने 2003 वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी। उन्हें भारतीय क्रिकेट में आक्रामक सोच और युवा खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए भी याद किया जाता है।

इन भारतीय दिग्गजों को मिली है सूची में जगह

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में गांगुली का नाम अब सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, कपिल देव, सुनील गावस्कर, अनिल कुंबले, वीरेंद्र सहवाग, बिशन सिंह बेदी, विनू मांकड़, डायना एडुल्जी, नीतू डेविड और एमएस धोनी जैसे भारतीय दिग्गजों के साथ जुड़ गया है। खिलाड़ी के रूप में शानदार करियर के बाद गांगुली 2019 से 2022 तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे। फिलहाल सौरव गांगुली इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े हैं और एसए20 लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

11 जुलाई को होगा ऐलान

इसकी घोषणा 11 जुलाई को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आईसीसी की सालाना कॉन्फ्रेंस में होगी। गांगुली हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वाले भारत के 12वें क्रिकेटर होंगे। इसी दिन उनकी बायोपिक ''दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी'' का फर्स्ट लुक भी जारी किया गया, जिसमें एक्टर राजकुमार राव 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी जीत के बाद लॉर्ड्स की बालकनी में जर्सी लहराते नजर आए। गांगुली ने इसे अपने लिए सबसे बेहतरीन गिफ्ट बताया।

पेनल्टी शूटआउट में स्विट्ज़रलैंड ने कोलंबिया को 4-3 से किया पराजित

स्विट्ज़रलैंड का 72 साल का सूखा समाप्त, अंतिम आठ में बनाई जगह

● वैंकूवर / (एजेंसी)

फीफा विश्व कप 2026 में प्री क्वार्टर फाइनल के सभी मुकाबले समाप्त हो गए हैं और क्वार्टर फाइनल के लिए टीमें तय हो गई हैं। प्री क्वार्टर फाइनल का आखिरी मुकाबला स्विट्ज़रलैंड और कोलंबिया के बीच हुआ। स्विट्ज़रलैंड ने इतिहास रचते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

कनाडा के वैंकूवर में खेला गया मुकाबला निर्धारित समय तक 0-0 की बराबरी पर रहा। एक्स्ट्रा टाइम में भी कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से मैच का नतीजा निकला। स्विट्ज़रलैंड ने पेनल्टी शूटआउट को 4-3 से अपने नाम किया। स्विट्ज़रलैंड और कोलंबिया ने अपने पहले शूटआउट पर गोल किया। दूसरे पर स्विट्ज़रलैंड की तरफ से जेकी अम्डोनी ने गोल मारा लेकिन डेविंसन सांचेज का पेनल्टी शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। स्विट्ज़रलैंड की तरफ से मैनुअल अकांजी तीसरी पेनल्टी मिस कर गए और स्कोर 2-2 हो गया।

अब अर्जेंटीना से होगी भिड़ंत

क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड का सामना मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। प्री क्वार्टर फाइनल में लियोनेल मेसी की टीम ने इजिप्ट को 3-2 से हराया। 78वें मिनट तक 0-2 से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना ने वापसी करते हुए मैच को अपने नाम किया। हालांकि रेफरी के अर्जेंटीना के पक्ष में कई विवादित फैसले दिए।

इजिप्ट के कोच ने लगाया फीफा पर पक्षपात का आरोप

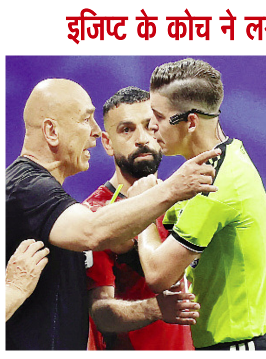

वहीं फीफा वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल के एक अन्य मुकाबले में लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना ने इजिप्ट के खिलाफ एक बेहद रोमांचक उलटफेर भरी जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। एक समय पर इजिप्ट की टीम मैच खत्म होने के कुछ मिनट पहले तक 2-0 से आगे चल रही थी और उसकी जीत तय लग रही थी। लेकिन अर्जेंटीना की टीम ने मैच के आखिरी 15 मिनटों में चमत्कारिक वापसी करते हुए तीन बैक-टू-बैक गोल दाग दिए।

क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल

10 जुलाई: मोरक्को बनाम फ्रांस
रात 1:30 बजे

11 जुलाई: नॉर्वे बनाम इंग्लैंड
रात 12:30 बजे

12 जुलाई: स्पेन बनाम बेल्जियम
रात 2:30 बजे

12 जुलाई: अर्जेंटीना बनाम स्विट्ज़रलैंड
सुबह 6:30 बजे

संजू की हो सकती है वापसी, तिलक वर्मा पर लटकी बाहर होने की तलवार

इंग्लैंड के खिलाफ आज सीरीज बचाने उतरेगी टीम इंडिया

चौथा टी20 मैच रात 10 बजे से

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम ब्रिटेन दौरे पर लगातार पराजय झेल रही है। अब टीम के सामने सीरीज हारने का खतरा हो गया है। खिलाड़ियों ने लगातार खराब प्रदर्शन किया है, कभी गेंदबाजों को महंगा साबित होना पड़ रहा है तो कभी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

हद तो तब हो गई जब इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में पूरी भारतीय टीम 76 रन पर ही ऑलआउट हो गई और उसे इस प्रारूप में रनों के लिहाज से अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

संभावित प्लेइंग-11

भारत: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा/संजू सैमसन, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड: फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बेंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियाम डॉवसन, जोश टंग, आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर।

वेस्टइंडीज पर 10 प्रतिशत फीस का जुर्माना

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

एंटीगा और बारबुडा के नॉर्थ साउंड सेंट जॉर्ज में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के कारण वेस्टइंडीज पर उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

इसके अलावा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के दो अंक काटे गए हैं। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने यह कार्रवाई की। वेस्टइंडीज की टीम तय लक्ष्य से दो ओवर पीछे पाई गई।आईसीसी आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के अनुसार, खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। अधिकतम जुर्माना मैच फीस के 50 प्रतिशत तक सीमित होता है।

जय शाह ने जादरान के निधन पर जताया शोक

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान को श्रद्धांजलि दी।

आईसीसी चेयरमैन ने कहा- हमेशा याद किया जाएगा

जादरान का 38 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शाह ने जादरान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान की तरक्की के पीछे अहम खिलाड़ियों में से एक बताया। लंबी बीमारी से जूझने के बाद जादरान ने ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में अंतिम सांस ली। शाह ने अफगानिस्तान क्रिकेट में जादरान के योगदान की तारीफ करते हुए देश की ऐतिहासिक पहली क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत में उनके यादगार ऑलराउंड प्रदर्शन को याद किया।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच से पहले प्रतिका रावल हुईं बाहर

10 जुलाई से खेला जाएगा टेस्ट, टैमी लेंगी संन्यास

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर होने वाले एकमात्र महिला टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है।

टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गई हैं। 25 वर्षीय दाएं हाथ की बल्लेबाज प्रतिका रावल को पिछले हफ्ते टांटन में इंग्लैंड ए के खिलाफ इंडिया ए का प्रतिनिधित्व करने के दौरान घुटने में गंभीर रूप से चोट लग गई थी। प्रिया की लगभग डेढ़ साल बाद टीम में वापसी हुई है। वहीं लॉर्ड्स के मैदान पर होने वाले इस मैच के बाद इंग्लैंड की बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो जाएंगी।

मार्टा कोस्तयुक विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक ने अपने करियर के पहले विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोस्तयुक ने बुधवार को सेंटर कोर्ट पर इटली की जैस्मीन पाओलिनी के खिलाफ 6-3, 6-2 से जीत दर्ज करते हुए लगातार दूसरे ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला सिर्फ 1 घंटा और 9 मिनट तक चला। 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने पिछले साल की उपविजेता पर जीत के साथ डब्ल्यूटीए टूर पर उनके पिछले 22 मुकाबलों में 21 जीत का शानदार रिकॉर्ड बना दिया है। यह जीत उन्हें फ्रेंच ओपन 2026 में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद मिली है। पहली बार सेंटर कोर्ट पर खेलते हुए कोस्तयुक ने आक्रामकता दिखाई। उन्होंने 19 विनर्स लगाए, जिनमें कई शानदार रिटर्न विनर्स भी शामिल थे। इसने पाओलिनी को लगातार दबाव में रखा।

जोकोविच सेमीफाइनल में सवा 5 घंटे चला मैच जीते

नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में अब तक के सबसे लंबे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। वह विंबलडन में लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पांच घंटे और 15 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-6(10), 3-6, 6-3, 6-7(4), 7-6(10-4) से हराया। जोकोविच अपने करियर में 55वीं बार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके साथ ही जोकोविच ने विंबलडन के सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 15वीं बार जगह बनाई है। जोकोविच ने अपने पहले विंबलडन सेमीफाइनल के 19 साल बाद एक बार फिर अंतिम चार में जगह बनाई है। 39 साल और 51 दिन की उम्र में वह ओपन एरा में विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं।

रविंद्र और डॉ. शैलेंद्र ने जीतीं 3-3 ट्रॉफियां

फादर एंड सन तथा फादर एंड डॉटर श्रेणी में खेल का आयोजन

● भोपाल / (एजेंसी)

खेल मनोरंजन के साथ ही शरीर और मस्तिष्क के लिए फायदेमंद है। खासतौर पर जब इसमें कुछ अलग हटकर आयोजन किया जाए तो रोचकता बढ़ जाती है।

कुछ इसी तर्ज पर आरके स्पोर्ट्स वर्ल्ड एवं मिनाल स्पोर्ट्स के संयुक्त तत्वावधान में द्वितीय मिक्स एज बैडमिंटन टूर्नामेंट-2026 का समापन 7 जुलाई को हुआ। यह प्रतियोगिता 4 से 7 जुलाई तक आयोजित की गई, जिसमें भोपाल के बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अरुणेश्वर सिंहदेव रहे। इसके अलावा विशिष्ट अतिथियों के रूप में दीप सिंह, मनोज गुप्ता, राजेश शर्मा, संदीप नामदेव तथा आरके स्पोर्ट्स क्लब की डायरेक्टर दीप्ति किरार भी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

अपेक्षाएं — कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आयोजन 23 जुलाई से ग्लास्गो में होगा

नीरज और मीराबाई सहित 5 से गोल्ड की उम्मीद

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

2026 कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन 23 जुलाई से ग्लास्गो में होगा। भारत के 5 बड़े एथलीट्स से पदक जीतने की उम्मीद है। हालांकि हॉकी, टेबल टेनिस और बैडमिंटन जैसे खेल कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का हिस्सा नहीं होंगे। भारत के इन खेलों में मेडल जीतने की संभावना बेहद मजबूत थी। बहरहाल, भारतीय दल पर शेष खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव जरूर होगा।

मीराबाई चानू (वेटलिफ्टिंग): भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मीराबाई चानू से गोल्ड मेडल जीतने की पूरी उम्मीद है। इस बार वो महिलाओं की 48 किग्रा वर्ग में ऐतिहासिक हैट्रिक लगाने की कोशिश करेंगी।

नीरज चोपड़ा (जेवलिन थ्रो): नीरज तो भारत के पोस्टर ब्वॉय हैं और इनसे गोल्ड मेडल जीतने की उम्मीदें प्रबल हैं।

प्रवीण चितरावल (ट्रिपल जंप): भारतीय एथलेटिक्स ने फील्ड इवेंट्स में गजब की प्रगति की और ट्रिपल जंपर प्रवीण चितरावल ने गोल्ड की उम्मीदें मजबूत कर दी हैं।

प्रीति पवार (बॉक्सिंग): 22 साल की प्रीति पवार ने गजब का प्रदर्शन किया और गोल्ड की उम्मीदें जगाई हैं। प्रीति 54 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

रोहित यादव (जेवलिन): नीरज के लिए बड़ा खतरा हमवतन रोहित यादव बन सकते हैं। यादव ने अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप्स में 87.05 मीटर की दूरी पर भाला फेंका था।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
138 = 2	237 = 2
448 = 6	470 = 1
शुभांक	
दिन	रात
277 = 6	459 = 8
478 = 9	470 = 1
भाग्यांक	
1 2	8 9
www.kalyangame.com	

मुश्किल दौर ने बदली जिंदगी, फिल्मों में काम रुका तो फैशन बिजनेस में रखा कदम

अभिनेत्री और वीडियो जॉकी (वीजे) रिया चक्रवर्ती एक ऐसा नाम है, जिन्होंने कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर सोशल मीडिया, टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में एक पहचान बनाई है। रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई 1992 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती आर्मी में रहे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई अंबाला कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल से की। रिया ने करियर की शुरुआत 2009 में एमटीवी पर आए रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी टीन दिवा' से की। इसमें वह पहली रनर-अप रहीं। इसके बाद वह 'पेप्सी एमटीवी वासुप', 'टिकटैक कॉलेज बीट', 'एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स' और 'एमटीवी रोडीज़ - कर्म या कांड' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में बतौर होस्ट के रूप में नजर आईं।

रिया ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इसके बाद उन्होंने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। अभिनेत्री ने इसके बाद कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरा, जिसमें 'सोनाली केबल', 'जलेबी', 'बैंक चोर' और 'चेहरे' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने लोगों के बीच पहचान दिलाई। हालांकि, 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद, रिया के जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें मीडिया और कानूनी जांच के केंद्र में ला दिया। दरअसल, रिया उस समय सुशांत को डेट कर रही थीं, लेकिन सुशांत की संदिग्ध मौत से वह कई सवालों के घेरे में आ गईं।

इस मामले में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के कारण उन्हें अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ जेल में लगभग 28 दिन बिताना पड़ा था, लेकिन लगभग 5 वर्षों के मुश्किल समय के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिया को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मार्च 2025 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर क्लीन चिट दे दी। जानकारी के मुताबिक, 2020 के मुश्किल दौर के बाद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया था। उस समय उन्होंने 2023 में अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर एक स्ट्रीटवियर फैशन ब्रांड शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने 'चैप्टर 2 ड्रिप' रखा। यह ब्रांड ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, हुडी और अन्य यूनीसेक्स कपड़ों के लिए जाना जाता है, जिसकी वैल्यूएशन बहुत ही कम समय में करोड़ों में हो गई है।

अपने करियर के बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन अपने करियर के अगले पड़ाव के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों से अपनी फिल्मों की कामयाबी और ऑफ-स्क्रीन विवादों की वजह से चर्चा में रहे यह एक्टर अब अपने करियर के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन अभी 'राका' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन 2026 के आखिर तक चलने की उम्मीद है। खबर है कि एक्टर सितंबर 2026 तक अपना शेड्यूल पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह अपना ध्यान फिल्म 'एए23' पर देना चाहते हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर में शुरू होने की संभावना है।

बड़े प्रोडक्शन की होगी जरूरत

कहा जा रहा है कि फिल्म 'राका' बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसमें बहुत ज्यादा विजुअल इफेक्ट्स और बड़े प्रोडक्शन की जरूरत होगी। बताया यह भी जा रहा है कि फिल्मिंग पूरी होने के बाद भी वीएफएक्स के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से फिल्म को लंबे पोस्ट-प्रोडक्शन प्रोसेस से गुजरना होगा। खबर है कि मेकर्स इसे 2028 के बीच में रिलीज करने की सोच रहे हैं, जिससे उन्हें तकनीकी पहलुओं को बेहतर बनाने और विजुअल को अच्छा करने के लिए काफी समय मिल जाए।

'एए23' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अल्लू अर्जुन 'एए23' पर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ऐलान के बाद से ही लोगों में इसे लेकर काफी उत्सुकता है और इसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर एक कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक और सबसे सफल मास फिल्ममेकर्स में से एक साथ आ रहे हैं।

अहमद खान ने बताया क्यों 'वेलकम टू द जंगल' से बाहर हुए संजय दत्त?

अहमद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, फिल्म के प्रोमो में दिखाए गए लगभग पांच एक्टर फिल्म से गायब दिखे। जिसके बाद दर्शकों के मन में उन कलाकारों के रोल्स को लेकर सवाल जरूर हैं। अहमद खान ने फिल्म से संजय दत्त के गायब होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संजय दत्त ने 'वेलकम टू द जंगल' इसलिए छोड़ी क्योंकि उन्हें शूटिंग की तारीखों में दिक्कत थी और उन्हें इलाज के लिए अमेरिका जाना था। उन्होंने एक्टर और फिल्म की टीम के बीच किसी भी तरह के तनाव की बात को खारिज कर दिया। निर्देशक ने कहा कि संजू बाबा को स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी और वह सच में फिल्म का हिस्सा बनना चाहते थे। फिल्म में उनके कई दोस्त थे जैसे जग्गू दादा (जैकी श्रॉफ), अक्षय कुमार वगैरह। वह बहुत उत्साहित थे। हमने उनके साथ फिल्म का कुछ हिस्सा शूट भी किया था। लेकिन उन्हें तारीखों की दिक्कत थी। उन्हें अमेरिका जाना था। वह इलाज के लिए वहां गए थे और मैं इतने सारे एक्टर्स की तारीखें नहीं बदल सकता था।

'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' बनकर आएंगी कंगना

अभिनेत्री कंगना रनौत इस हफ्ते के आखिर में नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' में एक खास मेहमान के रूप में दिखाई देंगी। इस बार वह शो में 'जनता की आवाज' बनकर एंट्री लेंगी।

खबर के अनुसार, शो से पहले कंटेस्टेंट के एलिमिनेशन के दौरान कंगना मुख्य होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख के साथ जूरी का हिस्सा बनेंगी। कंगना ने कहा कि यह शो सच को स्वीकार करने के बारे में है और यहां हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस शो के पिछले सीजन को खुद कंगना ने ही होस्ट किया था, इसलिए उनकी वापसी से फैंस काफी उत्साहित हैं। इस नए सीजन में धीरज धूपर, हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी समेत 15 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग हुई पूरी

टीवी शो के अलावा कंगना अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल यानी 'क्वीन 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। कंगना ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस फिल्म की मुख्य शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने पूरी टीम के साथ इसका जश्न भी मनाया। हाल ही में कंगना रनौत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आई थीं, जो 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'राका' में अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका मंदाना

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख का होगा कैमियो?

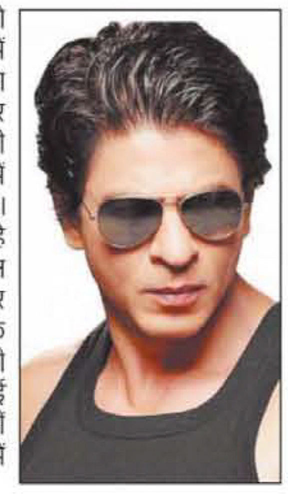

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

'राका' का पहला पोस्टर आया सामने

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं। बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

यदि कंटेंट में दम नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे

अली असगर उन सधे हुए कलाकारों में से हैं, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताउम्र दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर 'कॉमेडी सर्कस', 'जरा नचके दिखा', 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' जैसे शोज के जरिए वह दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। खास बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर दो टूक राय दी। कहा, 'जैसे-जैसे दौर बदलता है, वैसे-वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब 'कॉमेडी सर्कस' शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करेंगे।' मुंबई में पैदा हुए अली असगर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी ऊब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम रील्स वगैरह के कारण 15-30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं। इसके बाद सारा दारोमदार आपके कंटेंट पर है। यदि कंटेंट में दम नहीं है, परफॉर्मेंस अच्छी नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे। जहां तक क्लीन कॉमेडी की बात है, तो दादा-दादी से लेकर बच्चों तक, पूरा परिवार एकसाथ देख सके, वह कंटेंट तो और भी मुश्किल है। बदलते वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भी प्रेशर बढ़ा है। कई सितारे इस बारे में अपनी बात कह भी चुके हैं। अली कहते हैं, 'प्रेशर तो हर जगह है, हर फील्ड में है। सिनेमा एक्टर्स को सबसे ज्यादा प्रेशर होता है कि शुक्रवार को क्या होगा। उनके सिर पर तो करोड़ों रुपये का दांव लगा होता है। टीवी में हम एक्टर्स का इतना कुछ दांव पर नहीं होता, क्योंकि पैसा, प्रोडक्शन किसी और का है। हम तो किरदार निभाते हैं। जो कैरेक्टर हमें मिलता है, हम उसे अच्छे से निभाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर वह चीज नहीं चलती है, तो उसका दोष भी हमारे ऊपर आ जाता है। कई बार फिल्म नहीं चलती है तो डायरेक्टर को कोई दोष नहीं देता है, बल्कि लोग कहते हैं कि उस कलाकार की फिल्म नहीं चली। लेकिन सच तो यह है कि यह पूरी एक टीम है, कई डिपार्टमेंट उसमें जुड़े होते हैं।'

हर कलाकार के लिए थिएटर जरूरी

अली असगर उन कलाकारों में से हैं, जो टीवी और फिल्मों के साथ ही थिएटर के मंच पर भी लगातार परफॉर्म करते हैं। हाल ही वह दिल्ली में भी रंगमंच पर 'टॉम एंड जैरी' नाम के नाटक की प्रस्तुति करते देखे गए। जब अली असगर से पूछा गया कि टीवी के दर्शक और थिएटर के दर्शकों में क्या अंतर होता है? उन्होंने जवाब दिया, 'जिस शिद्दत से हम थिएटर में परफॉर्म करते हैं, उसी शिद्दत से हमें दर्शकों की प्रतिक्रिया भी मिलती है। यहां आपको तुरंत रिस्पॉन्स मिलता है।

जैसे ही प्ले शुरू होता है, आपको ऑडियंस के साथ तुरंत रिश्ता बनाना होता है। वह रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण भी है, आकर्षित भी करता है और जरूरी भी है। वहां आपको बहुत सावधान भी रहना होता है, क्योंकि कोई कट तो होता नहीं है। इसलिए मौके को देखकर ही खुद को सुधारना होता है। मैं तो सभी कलाकारों से कहूंगा कि आप लोग भी आकर थिएटर करें। यह हमारे लिए एक मेंटल एक्सरसाइज है और चैलेंजिंग भी है।'

मोहम्मद जोशी के लिए टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630